राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-62 > अंक - 04 | रायपुर | रविवार 28 दिसंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

मन की बात रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करेंगे पीएम

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार, आने वाले दिनों में और बिगड़ेगी स्थिति

मुंबई : मेगा ब्लॉक के चलते पश्चिमी रेलवे की लोकल सेवाएं बाधित, यात्रियों को हो रही भारी परेशानी

मुंबई एजेंसी

पश्चिमी रेलवे ब्लॉक की वजह से बोरीवली-कांदिवली सेक्शन पर लोकल ट्रेन सर्विस में दिक्कत आ रही है, जिससे ट्रेनें कैंसल हो रही हैं और देरी हो रही है। इस कारण यात्रियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी रेलवे पर कांदिवली और बोरीवली के बीच छठी रेलवे लाइन पर चल रहे काम की वजह से मेगा ब्लॉक लगाया गया है। 30 दिनों के लिए यह ट्रैफिक ब्लॉक लगाया गया है। इस वजह से लोकल ट्रेनों और लंबी दूरी की ट्रेनों के शेड्यूल में भी बदलाव किया गया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए यात्रियों ने बताया कि लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित होने से बहुत दिक्कत हो रही है। ऑफिस आना-जाना बहुत मुश्किल है। हमें अपनी मंजिल तक पहुंचने में देर हो रही है। उन्होंने मांग की कि रेलवे को सिर्फ कुछ ट्रेनें ही रद्द करनी चाहिए। सभी ट्रेनों को एक साथ रद्द नहीं किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कश्मीर में हाईवे पर आईईडी मिलने से मचा हड़कंप, सीआरपीएफ और पुलिस ने रोका ट्रैफिक, बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

श्रीनगर एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया गया। शनिवार को श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर उत्तरी कश्मीर के सोपोर क्षेत्र में हाइगाम के पास इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेर लिया। एहतियातन हाईवे के दोनों तरफ ट्रैफिक तुरंत रोक दिया गया और वाहनों को वैकल्पिक रास्तों की ओर डायवर्ट कर दिया गया। जांच के लिए बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड को बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टीम ने मौके से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) को कब्जे में लेकर जांच की और फिर नियंत्रित तरीके से उसे नष्ट कर दिया। इस दौरान कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल रहा, हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि IED किसने और कब रखा, इसकी जांच जारी है। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

सिंधु जल संधि निलंबन के बीच भारत का बड़ा एक्शन, पाकिस्तान की टेंशन बढ़ी

चिनाब पर 3200 करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी

नई दिल्ली ,संवाददाता

अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के साथ 1960 में की गई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इस संधि के निलंबन के बाद से ही भारत सरकार जम्मू-कश्मीर में अपनी जल विद्युत परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में अब पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक विशेषज्ञ पैनल ने किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर बनने वाले 260-मेगावाट के 'दुलहस्ती स्टेज-II' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है।

3200 करोड़ का प्रोजेक्ट, संधि निलंबन के बाद मिली रफ्तार

दुलहस्ती स्टेज-II हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की योजना काफी पहले बनाई गई थी, लेकिन अब इसे लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। दिसंबर 2025 में हाइडल प्रोजेक्ट्स पर विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने अपनी 45वीं बैठक में इसे आगे बढ़ाने की मंजूरी दी। समिति ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रोजेक्ट के पैरामीटर मूल रूप से 1960 की संधि के प्रावधानों के अनुसार प्लान किए गए थे, लेकिन वर्तमान में यह संधि 23 अप्रैल 2025 से प्रभावी रूप से निलंबित है। अब इस रन-ऑफ-द-रिवर प्रोजेक्ट के लिए निर्माण टेंडर जारी किए जाएंगे। इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,200 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

क्या है दुलहस्ती स्टेज-II का प्लान?

यह नई परियोजना मौजूदा 390 मेगावाट के दुलहस्ती स्टेज-I हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट का ही विस्तार है, जिसे एनएचपीसी (NHPC) द्वारा 2007 से संचालित किया जा रहा है। नई योजना के तहत, स्टेज-I पावर स्टेशन से निकलने वाले पानी को 3,685 मीटर लंबी और 8.5 मीटर व्यास वाली एक अलग सुरंग के जरिए मोड़ा जाएगा। इस प्रोजेक्ट में एक भूमिगत पावरहाउस का निर्माण भी शामिल है, जिसमें 130 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी। यहां से सालाना 260 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन होगा।

भारत की आक्रामकता और अन्य प्रोजेक्ट्स

जब सिंधु जल संधि लागू थी, तब पाकिस्तान के पास सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी पर अधिकार था, जबकि भारत के पास रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण था। लेकिन संधि के निलंबित होने के बाद केंद्र सरकार सिंधु बेसिन में कई रुकी हुई हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं पर तेजी से आगे बढ़ रही है। दुलहस्ती के अलावा सवालकोट, रतले, बुरसर, पाकल दुल, क्वार, किरू और कीरथाई जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।

पाकिस्तान की खेती पर गहरा संकट

भारत के इस कदम से पाकिस्तान की चिंताएं और बढ़ गई हैं। संधि के स्थगित होने के बाद से ही पाकिस्तान ने कई बार भारत पर झेलम और चिनाब नदियों का पानी रोकने का आरोप लगाया है। हाल ही में पाकिस्तान की एक आंतरिक रिपोर्ट में भी इस बात का जिक्र किया गया था कि चिनाब नदी के बहाव में कमी दर्ज की गई है। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति इसलिए भी भयावह है क्योंकि वहां की 80 फीसदी खेती सिंधु नदी बेसिन से मिलने वाले पानी पर निर्भर है। अगर पानी के बहाव में कमी आती है, तो पाकिस्तान की कृषि और अर्थव्यवस्था पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ना तय है।

दिल्ली : ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

दिल्ली में 24 घंटे में हुईं 660 गिरफ्तारियां नए साल के जश्न से पहले दिल्ली पुलिस ने ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने 150 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह ऑपरेशन राजधानी में नए साल के पहले अपराध को कम करने और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने को लेकर चलाया गया। पुलिस के अनुसार, इस ऑपरेशन में अलग-अलग इलाकों में बड़े स्तर पर जांच और पूछताछ का सिलसिला चलाया। कई जगहों पर संदिग्ध की पहचान हुई। उनसे पूछताछ हो रही है। इस अभियान में पुलिस की टीमों ने 1,000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की। वहीं किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को रोकने को लेकर एहतियात के तौर कुछ लोगों की पहचान की गई है।

कनाडा में भारत ने खोला पहला वूमन सेंटर, संकट में फंसी महिलाओं की करेगा मदद

एजेंसी

टोरंटो स्थित भारतीय दूतावास ने संकट में फंसी भारतीय महिलाओं की मदद के लिए एक विशेष 'वन स्टॉप सेंटर फॉर विमेन' की शुरुआत की है। यह पहल कनाडा में एक 30 वर्षीय भारतीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है। इस घटना ने प्रवासी भारतीय समुदाय, खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

किन महिलाओं को मिलेगी इस सेंटर से मदद - यह हेल्प सेंटर केवल भारतीय पासपोर्ट धारक महिलाओं के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य घरेलू हिंसा, शारीरिक या मानसिक दुर्व्यवहार, पारिवारिक विवाद, परित्याग, शोषण और कानूनी समस्याओं से जूझ रही महिलाओं को एक ही स्थान पर समग्र सहायता उपलब्ध कराना है। दूतावास के अनुसार, यह सेंटर पीड़ित महिलाओं को भटकने के बजाय सीधे सही मदद से जोड़ने का काम करेगा।

समन्वित और महिला-केंद्रित सहायता व्यवस्था - दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह सेंटर कोऑर्डिनेटेड और लाभार्थी-केंद्रित मॉडल पर काम करेगा। इसका मतलब है कि पीड़ित महिला की जरूरत के अनुसार सहायता दी जाएगी। इसमें तुरंत काउंसलिंग, साइको-सोशल सपोर्ट, कानूनी सलाह और कनाडा में मौजूद कम्युनिटी व सोशल सर्विसेज तक पहुंच शामिल है। सभी सेवाएं स्थानीय कनाडाई कानूनों के दायरे में रहकर दी जाएंगी।

महिला प्रशासक संभालेंगी संचालन

इस हेल्प सेंटर के संचालन की जिम्मेदारी एक महिला-केंद्रित एडमिनिस्ट्रेटर को सौंपी गई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मदद मांगने वाली महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील माहौल मिले। दूतावास ने साफ किया है कि हर मामले को गोपनीयता और सम्मान के साथ हैंडल किया जाएगा।

24×7 हेल्पलाइन से मिलेगी तत्काल मदद - इस सेंटर की एक अहम विशेषता इसकी 24 घंटे सक्रिय हेल्पलाइन है। इमरजेंसी कॉल्स को तुरंत रिस्पॉन्ड किया जाएगा। इसके अलावा, पैनल में शामिल गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से भावनात्मक सहयोग, मानसिक सहारा और आवश्यकता पड़ने पर वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

नए साल से पहले गिग वर्कर्स का बड़ा ऐलान : 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल, डिलीवरी सेवाएं प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की गिग इकोनॉमी में काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स ने नए साल के जश्न से पहले अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। अमेज़न, जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म्स से जुड़े डिलीवरी पार्टनर्स ने 25 दिसंबर (क्रिसमस) को हुई सफल हड़ताल के बाद अब 31 दिसंबर 2025 को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह आह्वान तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और IFAT की ओर से किया गया है। हड़ताल के पीछे घटती कमाई, असुरक्षित और लंबे काम के घंटे, तथा प्लेटफॉर्म नीतियों में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दे बताए जा रहे हैं।

भारत के खातिर अपने ही मंत्री से भिड़े न्यूजीलैंड के पीएम, बोले- 'हर हाल में चाहिए एफटीए !'

वेलिंगटन एजेंसी ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को लेकर न्यूजीलैंड की राजनीति में भूचाल आ गया है। एक तरफ जहां न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को इस समझौते का जोरदार स्वागत करते हुए इसे अपनी सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है, वहीं दूसरी तरफ उनकी ही सरकार के विदेश मंत्री और गठबंधन सहयोगी विंस्टन पीटर्स ने इस डील के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रधानमंत्री लक्सन ने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ एफटीए करने का जो वादा जनता से किया था, उसे पूरा कर दिया है। उनका मानना है कि यह समझौता 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के विशाल बाजार के दरवाजे न्यूजीलैंड के लिए खोलेगा, जिससे देश में रोजगार, आय और निर्यात में भारी वृद्धि होगी। हालांकि, इस समझौते की गूंज ने न्यूजीलैंड की गठबंधन सरकार के भीतर गहरे मतभेद उजागर कर दिए हैं। विदेश मंत्री और 'न्यूजीलैंड फर्स्ट' (ईंस) पार्टी के नेता विंस्टन पीटर्स ने इस समझौते को सिरे से खारिज करते हुए इसे न तो मुक्त और न ही निष्पक्ष बताया है। पीटर्स ने आरोप लगाया कि इस डील में गुणवत्ता से समझौता कर रफ्तार को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि भारत के साथ जल्दबाजी में कोई कमजोर समझौता न किया जाए।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के समक्ष अपनी पार्टी की चिंताएं व्यक्त कर दी हैं, हालांकि वे उनका पूरा सम्मान करते हैं। इस सियासी टकराव के केंद्र में न्यूजीलैंड का प्रमुख डेयरी उद्योग और वीजा नियम हैं।

विदेश | अब तक 101 लोगों की मौत

20 दिन चले युद्ध के बाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुआ सीजफायर

चांथाबुरी ,एजेंसी।

थाईलैंड के रक्षा मंत्री नत्थापोन नाकपानिच और कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री टी सिया ने शनिवार को थाईलैंड के चांथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर सीजफायर समझौते पर साइन किए। इस युद्ध में अब तक 101 लोग मारे गए और दोनों पक्षों के पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शुक्रवार रात को तीसरी स्पेशल कंबोडिया-थाईलैंड जनरल बॉर्डर कमेटी की बैठक के जॉइंट स्टेटमेंट के ड्राफ्ट के कंटेंट पर थाईलैंड के साथ सहमति बना ली है, जिसमें आसियान ऑब्जर्वर भी शामिल थे। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीजफायर बातचीत शनिवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9.40 बजे थाईलैंड के चंथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर शुरू हुई। जुलाई में सीजफायर टूटने के बाद 8-9 दिसंबर को हिंसा बढ़ गई, जिसमें थाईलैंड ने फाइटर जेट और तोपखाने से हमले किए और कंबोडिया ने रॉकेट दागकर जवाब दिया। थाईलैंड-कंबोडिया सीमा के विवादित हिस्सों में झड़पों की खबरें आई हैं, खासकर डांगरेक पर्वत श्रृंखला के आसपास, जो उत्तर-पूर्वी थाईलैंड और उत्तरी कंबोडिया तक फैली हुई है। यह सीमा क्षेत्र कई प्राचीन खमेर मंदिरों का घर है, जिनमें से कई सीमा के करीब स्थित हैं। पास के ऊंचे इलाकों पर नियंत्रण को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है, और लड़ाई के इस दौर में इन क्षेत्रों में एक बार फिर सैनिकों की आवाजाही, गोलाबारी और हवाई मिशन देखे गए हैं। इस विवाद की जड़ें 1900 के दशक की शुरुआत में हैं, जब कंबोडिया में फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रशासन के तहत सीमा रेखाएं स्थापित की गई थीं। थाईलैंड का कहना है कि उस समय बनाए गए कुछ नक्शों में सीमा को गलत तरीके से परिभाषित किया गया था और पिछले समझौतों में बताए गए प्राकृतिक जल विभाजक सीमाओं का पालन नहीं किया गया था।

भारत के खिलाफ अब ऑस्ट्रेलिया की जमीन का इस्तेमाल कर रहे खालिस्तानी

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा

न्यूयॉर्क एजेंसी । ऑस्ट्रेलिया में इस साल जुलाई, अगस्त और दिसंबर के महीनों में खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों में तेजी देखी गई। अराजक तत्वों ने न केवल खालिस्तान के झंडे लहराए, बल्कि भारत विरोधी नारे लगाए और तोड़फोड़ भी की। इससे भारतीय समुदाय में गुस्सा है। खुफिया एजेंसियों ने ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान आंदोलन के तेजी से बढ़ने पर चिंता जताई है। एजेंसियों का कहना है कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में खालिस्तानी संगठन की गतिविधियों में कमी आई है और पिछले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। खालिस्तानी तत्व अपने बहुत सारे संसाधन ऑस्ट्रेलिया में लगा रहे हैं और हाल में वहां हुई हिंसा घटनाएं इसका साफ संकेत है। पहले भी ऑस्ट्रेलिया में जनमत संग्रह हुए हैं, लेकिन हाल के महीनों में इन गतिविधियों का पैमाना काफी बढ़ गया है। सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) जैसे ग्रुप्स द्वारा चलाए जा रहे सोशल मीडिया कैंपेन भी ज्यादातर ऑस्ट्रेलिया की घटनाओं पर ही फोकस हैं। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर तोड़फोड़ करने के लिए बार-बार जानकारी दी जा रही है, जिसमें भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। भारत विरोधी और पीएम मोदी विरोधी नारे लगाने के लिए भी कॉल किए गए हैं और आजकल ऐसा बहुत बार हो रहा है। इन घटनाओं के दौरान खालिस्तानियों ने भारतीय झंडे को रौंदा और भारत विरोधी नारे लगाए। दिसंबर में, एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, भारतीय झंडे को फाड़ा गया, और इसके वीडियो बड़ी संख्या में सर्कुलेट किए गए। एसएफजे लोगों को भड़काने के लिए ऐसे वीडियो अक्सर पोस्ट करता है। कनाडा और यूके के विपरीत, खालिस्तानियों को अब भारतीय समुदाय से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

भारत ने कनाडा और यूके दोनों से संपर्क किया है और खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंता से अवगत कराया। दोनों देशों ने समस्या को स्वीकार किया है और नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई। हाल के महीनों में इन दोनों देशों में खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ कार्रवाई देखने को मिली है। इसलिए खालिस्तानियों ने अपना फोकस बदलकर ऑस्ट्रेलिया की ओर कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि इससे आंदोलन बिना किसी रुकावट के जारी रह पाता है।

कंगाल पाक को बड़ा झटका : देश छोड़ गए 5000 डॉक्टर और 11000 इंजीनियर

सेना प्रमुख के 'ब्रेन गेन' वाले बयान पर जनता ने लगाई क्लास

एजेंसी । आर्थिक बदहाली और राजनीतिक अस्थिरता की मार झेल रहा पाकिस्तान अब अपने इतिहास के सबसे बुरे 'ब्रेन ड्रेन' यानी प्रतिभा पलायन के संकट से जूझ रहा है। गहराते आर्थिक संकट और भविष्य की अनिश्चितता के चलते पिछले दो वर्षों में हजारों होनहार पेशेवर देश छोड़कर चले गए हैं। हाल ही में आई एक सरकारी रिपोर्ट ने इस संकट की जो भयावह तस्वीर पेश की है, उसने शहबाज शरीफ सरकार की चिंताओं को बढ़ा दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान का शिक्षित वर्ग अब देश में रुकने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ एमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट के ताजा आंकड़ों ने सबको चौंका दिया है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 24 महीनों में करीब 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट पाकिस्तान छोड़कर विदेशों में बस गए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में 7,27,381 पाकिस्तानियों ने विदेश में काम के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि 2025 में नवंबर महीने तक ही यह आंकड़ा 6,87,246 तक पहुंच चुका है। चिंता की बात यह है कि देश छोड़ने वालों में अब केवल मजदूर वर्ग नहीं, बल्कि देश की रीढ़ माने जाने वाले उच्च शिक्षित पेशेवर शामिल है। स्वास्थ्य क्षेत्र का हाल सबसे बुरा है, जहां 2011 से 2024 के बीच नर्सों के पलायन में 2,144 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन कोरबावासियों के लिए करेंगे 2.28 करोड़ रूपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन शनिवार 27 दिसंबर को कोरबा में 2.28 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार उद्योग मंत्री श्री देवांगन 27 दिसम्बर शनिवार को दोपहर 1.50 बजे चारपारा कोहड़िया कोरबा से प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे सरस्वती शिशु मंदिर सी.एस. ई.बी के एन.सी.सी. कैंप के समापन समारोह कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम पश्चात दोपहर 2.30 बजे कोरबा के नर्सरीपारा में 93.94 लाख रूपए की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों भूमिपूजन करेंगे, जिनमें कोहड़िया के शासकीय हाई स्कूल में शौचालय निर्माण के लिए 5.94 लाख रूपए, नाली निर्माण एवं रोड मरम्मत कार्य हेतु 18 लाख रूपए, कोहड़िया में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु 20 लाख रूपए तथा सी.सी. रोड व नाली निर्माण के लिए 50 लाख रूपए शामिल है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन अपरान्ह 3.30 बजे दोढ़ीपारा भैंसखटाल में 64.30 लाख रूपए की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। निर्माण कार्यों में साडा के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम स्कूल कन्या साईकल स्टैण्ड निर्माण हेतु 6.30 लाख रूपए, मंच निर्माण कार्य के लिए 5-5 लाख रूपए, सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु 8 लाख रूपए, गौठान पारा में नाली, सी.सी. रोड का निर्माण कार्य हेतु 20 लाख रूपए, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु 10-10 लाख रूपए शामिल है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन 4.30 बजे कोरबा स्थित राताखार, बजरंग चौक में 70.32 लाख रूपए की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे, जिनमें गेरवाघाट में शेड निर्माण हेतु 5 लाख रूपए, दर्री के श्री अग्रसेन महाविद्यालय परिसर के पास प्रसाधन निर्माण कार्य 10 लाख रूपए, इंदिरा स्टेडियम स्थित ऑडीटोरियम का जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य 30.32 लाख रूपए, राताखार में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य 15 लाख रूपए, एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रूपए के विकास कार्य शामिल है।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन संध्या 5.15 बजे राताखार में स्थित जश्ने रिसॉर्ट में आयोजित 30वें श्री नारायणी नमो नमो भजनोत्सव एवं मंगलपाठ कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा सायं 6 बजे सतनामी समाज द्वारा आयोजित परमपूज्य गुरूघासीदास बाबा की 269 वीं जयंती एवं गुरुपर्व समारोह में सम्मिलित होंगे।

आदर्श ईमानदारी संवेदनशीलता मजबूत राष्ट्र की नींव है -प्राचार्य उपाध्याय

धमतरी। शासन के आदेश अनुसार 25 दिसंबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली में सुशासन दिवस पर शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के तैल चित्र पर पूजा अर्चन कर माल्यार्पण किया गया एवं अतिथियों का स्वागत सम्मान के पश्चात मोनिका डिंपल टामिन के द्वारा निबंध ,गीत ,नारा व कविता का वाचन किया गया। सुशासन पर शानदार रंगोली बनाई गई तथा प्राचार्य एल. के. उपाध्याय के द्वारा अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह देश के सच्चे माटी पुत्र थे अपना पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिए उनकी वाकपटुता राष्ट्र सेवा सुशासन व लोक हित कार्य आज भी अविस्मरणी हैं ।रा से यो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गणेश प्रसाद साहू ने युगपुरुष बाजपेई जी को आदर्श, ईमानदारी व संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति कहा। व्याख्याता राकेश कुमार साहू ने उन्हें विशाल कवि हृदय की संज्ञा देते हुए उनके अनेकों कविता व छंद का वाचन कर भाव विभोर कर दिया ।

राज्य सरकार की सुव्यवस्थित और किसान हितैषी धान खरीदी नीति ने अन्नदाताओं के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की सुव्यवस्थित और किसान हितैषी धान खरीदी नीति ने न केवल अन्नदाताओं के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी है, बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूती प्रदान की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार समर्थन मूल्य पर पारदर्शी खरीदी, डिजिटल टोकन प्रणाली और त्वरित भुगतान सुनिश्चित कर रही है, जिससे किसान बिना किसी झंझट के अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पा रहे हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के प्रगतिशील किसान गुलाबचंद साहू इसकी जीती-जागती मिसाल हैं, जिनकी मेहनत को अब सही सम्मान और आर्थिक लाभ मिल रहा है।

किसान गुलाबचंद साहू ने अपनी चार एकड़ भूमि पर कड़ी मेहनत से धान की फसल उगाई और इस वर्ष 76 कट्टे धान लेकर पेंड्रा के उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने उत्साह से बताया, विष्णुदेव सरकार की धान खरीदी व्यवस्था पहले से कहीं बेहतर और सुगम है। ऑनलाइन पंजीकरण और समिति आधारित टोकन प्रणाली ने सब कुछ आसान बना दिया। मैंने बिना किसी परेशानी के टोकन कटवाया और तुरंत धान बेच दिया। न लंबी कतारें, न भ्रष्टाचार का साया, सब कुछ पारदर्शी और समयबद्ध। गुलाबचंद साहू ने आगे जोर देकर कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक खरीदी की सीमा ने किसानों की आय को दोगुना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे मेरी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अब मैं परिवार की बेहतरी, बच्चों की पढ़ाई और खेती के आधुनिकीकरण पर निवेश कर सकूंगा।

यह सफलता केवल गुलाबचंद साहू तक सीमित नहीं है। राज्य के धान खरीदी केंद्रों पर लाखों किसान बिना किसी असुविधा के अपनी उपज बेच रहे हैं। सरकार की डिजिटल पहल जैसे ई-टोकन, सीसीटीवी निगरानी, तत्काल वेरिफिकेशन और 48 घंटे के अंदर सीधे बैंक खाते में भुगतान ने पूरी प्रक्रिया को अत्याधुनिक और भरोसेमंद बना दिया है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में यह व्यवस्था विशेष रूप से प्रभावी साबित हो रही है, जहां किसानों को पहले भ्रष्टाचार और देरी की मार झेलनी पड़ती थी। अब वे निश्चिंत होकर खेती कर रहे हैं, क्योंकि सरकार उनके हितों की रक्षा कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बार-बार कहा है कि किसान राज्य का अन्नदाता है, उसकी समृद्धि ही सरकार की प्राथमिकता है। इस नीति से न केवल किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। गुलाबचंद साहू जैसे हजारों किसान सरकार की नीतियों का खुला समर्थन कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह बदलाव ज़मीनी स्तर पर दिख रहा है। राज्य सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ को समृद्धिशाली किसान राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, जहां हर अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा हक मिल रहा है।

नवाचार से सार्वजनिक सेवा को नई दिशा छत्तीसगढ़ के श्रेष्ठ प्रशासनिक नवाचारों को मिलेगा सम्मान

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता को मान्यताः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025ङ्क26 की घोषणा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन की दिशा में हो रहे परिवर्तन और प्रशासनिक संस्कृति के सुदृढ़ होते स्वरूप को रेखांकित करते हुए आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025ङ्क26 की घोषणा की । यह पुरस्कार राज्य के विभिन्न जिलों और विभागों द्वारा लागू किए गए उन नवाचारों को सम्मानित करने हेतु दिए जाएंगे, जिन्होंने शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा स्थापित ये पुरस्कार इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य शासन सार्वजनिक प्रशासन के केंद्र में नवाचार, ठोस परिणाम और नागरिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की गुणवत्ता को केवल मंशा या व्यय के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक, मापनीय प्रभाव, विस्तार-योग्यता और जमीनी समस्याओं के समाधान की क्षमता के आधार पर आँका जाना चाहिए। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार इस नई प्रशासनिक सोच को संस्थागत रूप देने का प्रयास हैं, जहाँ तकनीक, संवेदनशीलता और संस्थागत सुधार मिलकर सार्वजनिक सेवा को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि निरंतर हो रहे नवाचारों से साकार होता है। परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर मनाए जा रहे सुशासन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में जनहित को केंद्र में रखकर विकसित किए गए उत्कृष्ट प्रशासनिक नवाचारों को सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025ङ्क26 के विजेताओं की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शासन में नवाचार कोई विकल्प नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता और प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रणालियों को नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप गति, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ निरंतर स्वयं को ढालना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन नवाचारों के सम्मान की आज घोषणा की गई है, वे केवल व्यक्तिगत उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि भविष्य-उन्मुख शासन के लिए अनुकरणीय और दोहराने योग्य मॉडल हैं। मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2025ङ्क26 के लिए एक सुदृढ़ और बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसका उद्देश्य समावेशिता और गुणवत्ता के बीच संतुलन स्थापित करना था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुल 312 नवाचार प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें 275 जिलों से और 37 राज्य स्तरीय विभागों से थे। यह व्यापक सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि शासन के प्रत्येक स्तर पर समस्या-समाधान की नवाचारी सोच विकसित हो रही है।

नए साल के पहले दिन मिलेगी भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर की सौगात, 01 जनवरी को होगा भूमिपूजन

कवर्धा। नए साल के पहले दिन कबीरधाम जिले को बहुप्रतीक्षित भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर की सौगात मिलने जा रही है। 01 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की विशेष उपस्थिति में इस वृहत पर्यटन कॉरिडोर का भूमिपूजन होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप तथा उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, पर्यटन एवं जनआस्था के प्रमुख केंद्र बाबा भोरमदेव मंदिर परिसर से लेकर मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा एवं सरोदा जलाशय तक भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर एवं आसपास के ऐतिहासिक स्थलों के व्यापक विकास के लिए 146 करोड़ की लागत से इस भव्य पर्यटन कॉरिडोर का विकास होने जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर के भूमिपूजन की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम की प्रस्तावित रूपरेखा के अनुसार तैयारियों की समीक्षा की और सभी संबंधित अधिकारियों को सारी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने कार्यक्रम के मुख्य मंच निर्माण, दर्शक दीर्घा, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग, पंडाल निर्माण एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सभा स्थल पर मंच एवं बैठक व्यवस्था से संबंधित समस्त तैयारियों के लिए को पूरी तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य विभागों को भी आयोजन से जुड़ी आवश्यक तैयारियों के लिए दायित्व सौंपे गए।

छत्तीसगढ़ में वीर बाल दिवस का राज्यव्यापी आयोजन

रायपुर। भारत सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में आज 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस राज्यभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह दिवस दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के बलिदान की स्मृति में आयोजित किया गया।

राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक श्री नंदलाल चौधरी, यूनिसेफ राज्य प्रमुख सुश्री चेतना देसाई, श्री विपिन ठाकुर, उप संचालक श्रीमती नीलम देवांगन सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं रायपुर, महासमुंद व धमतरी की बाल देखरेख संस्थाओं के उत्कृष्ट बच्चे शामिल हुए।

राज्य एवं जिला स्तर पर आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध, भाषण, नाटक, प्रश्नोत्तरी, रैलियों एवं खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही सभी स्थानों पर बच्चों को नई दिल्ली से आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का लाइव टेलिकास्ट भी दिखाया गया।

इस अवसर पर साहिबजादों की शहादत से प्रेरणा लेते हुए बच्चों में साहस, देशभक्ति, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

तुंहर टोकन' से बदली धान बिक्री की तस्वीर, खेती बनी भरोसेमंद आजीविका

धमतरी । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की किसान हितैषी नीतियों का सकारात्मक प्रभाव जिले के खेत-खलिहानों से लेकर धान उपार्जन केंद्रों तक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। धमतरी जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था किसानों के लिए सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बन गई है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण धान उपार्जन केंद्र पोटियाडीह में देखने को मिला, जहाँ युवा एवं शिक्षित किसान गौरवपुरी गोस्वामी ने बिना किसी परेशानी के 182 क्विंटल धान का विक्रय किया। बीकॉम की शिक्षा प्राप्त करने के बाद गौरवपुरी ने नौकरी के बजाय खेती को अपनाया और शासन की योजनाओं का लाभ लेकर इसे आय का स्थायी साधन बना रहे हैं। गौरवपुरी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप आधारित 24 घंटे ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान खरीदी प्रक्रिया अत्यंत सरल हो गई है। अब किसान घर बैठे मोबाइल के माध्यम से टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर सीधे उपार्जन केंद्र पहुँचकर आसानी से धान बेच पा रहे हैं। इससे किसानों का समय बच रहा है और अनावश्यक परेशानी से राहत मिल रही है। धान बिक्री के साथ-साथ गौरवपुरी ने रबी मौसम में साढ़े 5 एकड़ भूमि में चने की फसल बोई है, जिससे जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

रासेयो के बौद्धिक सत्रों से स्वयंसेवक हो रहे हैं सर्वांगीण रूप से लाभान्वित

अर्जुनी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरतुली की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई द्वारा ग्राम पंचायत अर्जुनी में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में बौद्धिक सत्र स्वयंसेवकों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और व्यवहारिक सीख का सशक्त माध्यम बनकर उभरे हैं। विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञों के प्रेरक उद्बोधनों, प्रशिक्षण और संवादों से स्वयंसेवकों का आत्मविश्वास, सामाजिक चेतना और सेवा भाव सुदृढ़ हो रहा है।

शिविर के प्रथम बौद्धिक सत्र में लोकेश साहू (पूर्व आर्मी, फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग अकादमी) ने भारतीय सेना की भूमिका, राष्ट्र रक्षा में सैनिकों के योगदान तथा सेना में चयन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शारीरिक दक्षता, अनुशासन, मानसिक मजबूती और नियमित अभ्यास के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे अनेक स्वयंसेवक सेना को करियर विकल्प के रूप में देखने हेतु प्रेरित हुए। द्वितीय बौद्धिक सत्र में सुप्रसिद्ध वायलिन वादक मदन सिंहा ने संगीत के जीवन में महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि संगीत व्यक्ति के भावनात्मक संतुलन, एकाग्रता और रचनात्मकता को बढ़ाता है। इसी सत्र में साइबर सेल धमतरी से विकास कुमार द्विवेदी एवं आनंद कुमार कटकवार ने साइबर सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया सुरक्षा, पासवर्ड प्रबंधन और डिजिटल सतर्कता के उपाय बताए। वहीं डॉ. गणेश प्रसाद साहू (जिला अध्यक्ष, स्काउट गाइड) ने सेवा के महत्व पर अपने छात्र जीवन के एन.एस.एस. अनुभव साझा कर स्वयंसेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया।

तृतीय सत्र में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा के चेयरमैन प्राप्ति वासानी, वाइस चेयरमैन शिवा प्रधान, सहायक जिला संगठक मनोज साहू, ब्लॉक काउंसलर सत्यप्रकाश प्रधान तथा आजीवन सदस्य ऋतु प्रधान ने प्राथमिक सहायता एवं सीपीआर का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। आपात स्थितियों में त्वरित और सही सहायता के महत्व को अभ्यास के माध्यम से सिखाया गया, जिससे स्वयंसेवक आपदा व दुर्घटना में सहायक बनने के लिए सक्षम हुए।चतुर्थ सत्र में गजानन साहू (महिला एवं बाल कल्याण विभाग) ने बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और विकास से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। समाज कल्याण विभाग के ओमन लाल सिंहा ने गीत-संगीत के माध्यम से विभागीय योजनाओं का रोचक प्रस्तुतीकरण करते हुए नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

निःशुल्क बिजली से बदली खेती की तस्वीर, कृषक जीवन ज्योति योजना बनी किसानों की बड़ी ताकत

8 लाख 41 हजार से अधिक कृषक परिवारों को सीधा लाभ

रायपुर,। कभी बिजली बिल का डर, कभी सिंचाई के लिए कर्ज, ये हालात अब छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों के लिए बीते कल की बात हो गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित कृषक जीवन ज्योति योजना ने खेती की लागत घटाकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। 5 अश्वशक्ति तक के कृषि पंपों को निःशुल्क और रियायती बिजली ने खेतों तक खुशहाली पहुंचाई है।

इस योजना के तहत 3 अश्वशक्ति तक के कृषि पंपों को 6000 यूनिट और 3 से 5 अश्वशक्ति के पंपों को 7500 यूनिट प्रति वर्ष तक बिजली बिल में छूट दी जा रही है। इसका सीधा फायदा यह हुआ कि किसानों को सिंचाई के लिए अलग से खर्च नहीं करना पड़ रहा है। नतीजतन फसलों की समय पर सिंचाई और उत्पादन में वृद्धि हुई है।योजना की सबसे खास बात है फ्लैट रेट विकल्प। इस विकल्प को चुनने वाले किसानों को बिजली खपत की कोई सीमा नहीं है। उन्हें सिर्फ 100 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रति माह की दर से बिल का भुगतान करना होता है। वहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों के लिए बिजली खपत पर कोई सीमा है, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को सीधी राहत मिली है।

राज्य शासन ने बीते दो वर्षों में इस योजना के लिए करीब 13 हजार 523 करोड़ रूपए का अनुदान दिया है। वर्तमान में प्रदेश के 8 लाख 41 हजार कृषि पंप उपभोक्ता इस योजना का लाभ ले रहे हैं। वर्ष 2025-26 के लिए भी शासन ने 3500 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया है, जिससे योजना को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। खेती की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए योजना में द्वितीय और अतिरिक्त पंपों के लिए भी सरल दरें तय की गई हैं। 5 अश्वशक्ति तक के द्वितीय पंप पर 200 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रतिमाह और तृतीय व अन्य पंपों के लिए 300 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रतिमाह की दर से भुगतान की सुविधा दी जा रही है। किसानों का कहना है कि पहले बिजली बिल के कारण खेती घाटे का सौदा लगती थी, लेकिन अब निःशुल्क बिजली से सिंचाई आसान हो गई है। इससे बची रकम वे बीज, खाद और आधुनिक तकनीक पर खर्च कर पा रहे हैं।

रक्तदान एवं नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

रक्तदान-जीवनदान है, महादान है, सभी की सहभागिता आवश्यक-कलेक्टर त्रिपाठी

कोरिया। वीर बाल दिवस के अवसर पर मानस भवन, बैकुंठपुर में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के निर्देश व डॉ प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर का आयोजन रेड क्रॉस सोसायटी बैकुंठपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर के दौरान नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा कुल 30 यूनिट रक्तदान संपन्न हुआ। तथा सीपीआर का भी डेमो कर प्रशिक्षण भी दिया गया।रक्तदान करने वाले दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कहा कि वीर बाल दिवस उन वीर बालकों को स्मरण करने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर है, जिन्होंने धर्म, सच्चाई और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। यह दिन सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों, साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को नमन करने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में उनके द्वारा दिखाया गया साहस आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश दिया। कलेक्टर ने कहा कि मानस भवन में आयोजित रक्तदान शिविर जैसे मानवहित से जुड़े आयोजन समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। रक्तदान न केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा की किरण बनता है। रक्तदाता सदैव समाज में सम्मान के पात्र होते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से रक्तदान को जीवनदान, महादान बताते हुए इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर बना पावर हब

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी और जनहितकारी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विद्युत अधोसंरचना क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की जा रही है। बीते दो वर्षों में जशपुर जिला बिजली ढांचे के सशक्तिकरण की दृष्टि से एक पावर हब के रूप में उभरकर सामने आया है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए रणनीतिक और दीर्घकालिक निर्णयों के परिणामस्वरूप जिले में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को नई मजबूती मिली है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

साय सरकार ने जशपुर जिले के हर्राडांड में प्रदेश के पांचवें 400/220 केवी उच्च क्षमता वाले विद्युत उपकेंद्र की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद इस परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। यह उपकेंद्र न केवल जशपुर बल्कि पूरे सरगुजा संभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगा और क्षेत्रीय विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ बनाएगा।इसके साथ ही फरसाबहार एवं झिक्की-बगीचा में 132/33 केवी विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है, जिससे बढ़ते विद्युत भार का संतुलन बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। वहीं जिले के सलिहाटोली, विपतपुर, भगोरा, समडमा, मैनी, रेड़े (पथलगांव), पालीडीह, खुटेरा एवं चेटवा में 33/11 केवी विद्युत सब-स्टेशनों के निर्माण हेतु करोड़ों रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण की जा रही हैं और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर कुनकुरी विकासखंड में उप-क्षेत्रीय भंडार (मिनी डिपो स्टोर) की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन में आने से अब जले या खराब वितरण ट्रांसफार्मरों के प्रतिस्थापन के लिए विश्रामपुर और सूरजपुर जैसे दूरस्थ भंडारों पर निर्भरता समाप्त हो गई है। इससे समय और लागत दोनों की बचत हो रही है तथा विद्युत आपूर्ति शीघ्र बहाल की जा रही है।

प्रशासनिक ढांचे को भी मिली मजबूती

जिले में विद्युत प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुनकुरी में वृत्त कार्यालय, संभागीय कार्यालय, एसटीएम संभागीय कार्यालय, सतर्कता संभागीय कार्यालय, वितरण भंडार, तपकरा उप-संभागीय कार्यालय तथा वितरण केंद्र कुनकुरी की स्थापना की गई है। इन कार्यालयों के संचालन से निगरानी, रखरखाव और उपभोक्ता सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

117 नए ट्रांसफार्मर स्थापित, लो वोल्टेज की समस्या से राहत

ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही लो वोल्टेज की समस्या के समाधान के लिए 117 नए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिल रही है, वहीं घरेलू उपभोक्ताओं, व्यापारियों और लघु उद्योगों को भी स्थिर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिल रहा है।

बिजली से विकास को मिली नई रफ्तार

जिलेवासियों का कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर को मिली विद्युत सौगातों से न केवल बिजली व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि कृषि, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी विकास को नई गति मिली है। निर्बाध बिजली आपूर्ति से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, साय सरकार की ये पहलें जशपुर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाते हुए राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

महानदी में उमड़ा जनसैलाब शिवरीनारायण में नौका विहार बना श्रद्धालुओं और पर्यटकों का नया आकर्षण

शिवरीनारायण । आस्था एवं धर्म की पावन नगरी शिवरीनारायण में इन दिनों पर्यटन का नया रंग देखने को मिल रहा है। महानदी रिवर पर शुरू हुए नौका विहार का आनंद लेने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक उमड़ पड़े हैं। महानदी तट पर स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर क्षेत्र, जिसे लोग प्यार से मिनी गोवा कह रहे हैं, वहां पर्यटकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सुहावने मौसम, लहरों पर चलती नौकाओं और चारों ओर फैली हरियाली ने शिवरीनारायण को एक अलग ही पर्यटन पहचान दिला दी है। नौका विहार के दौरान महानदी की शांत धाराएं, दूर तक फैला जल विस्तार और प्राकृतिक नज़ारे लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। परिवार, युवा वर्ग एवं दूर-दराज़ से आए श्रद्धालु इस अनुभव को यादगार बना रहे हैं। धार्मिक दर्शन के साथ-साथ पर्यटन का यह स्वरूप स्थानीय लोगों के लिए भी उत्साह का कारण बन रहा है। क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ने से स्थानीय व्यापार, नाविकों एवं छोटे व्यवसायियों को भी आर्थिक लाभ मिल रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि शिवरीनारायण की धार्मिक महत्ता के साथ यदि इस प्रकार के पर्यटन विकास को बढ़ावा दिया जाए तो यह स्थल प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर के पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन सकता है। महानदी रिवर पर उमड़ा यह जनसैलाब स्पष्ट संकेत दे रहा है कि शिवरीनारायण अब केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि तेजी से उभरता हुआ पर्यटन स्थल भी बनता जा रहा है।

पीएम सूर्य घर योजना को लेकर कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

रायपुर । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सुचारु एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएसपीडीसीएल, बैंक प्रतिनिधि, वेंडर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. सिंह ने योजना की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए बैंकों को आवेदन सोर्सिंग बढ़ाने तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी बाधा के समय पर योजना का लाभ मिलना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन को बिना ठोस कारण के अस्वीकृत न किया जाए तथा रिजेक्शन की स्थिति में आवेदक को कारण की जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए। कलेक्टर ने बैंक, सीएसपीडीसीएल एवं वेंडरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल देते हुए कहा कि इससे सोलर पैनल इंस्टालेशन की प्रक्रिया तेज होगी और गुणवत्ता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने योजना की स्वीकृति, डिस्बर्समेंट एवं इंस्टालेशन की साप्ताहिक समीक्षा जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान आईडीबीआई बैंक से संबंधित शिकायत पर कलेक्टर डॉ सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित शाखा अधिकारी से दूरभाष पर तत्काल बात की तथा आम नागरिकों को शीघ्र एवं सरल प्रक्रिया से लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों को प्रति शाखा न्यूनतम 20 नए आवेदन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पूरी प्रक्रिया के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, जिला मुख्य लीड बैंक अधिकारी मोहम्मद मोफ्जि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान, इसके संरक्षण का दायित्व हम सभी का : वित्त मंत्री

कल्याण आश्रम के 73वें स्थापना दिवस एवं बाला साहब देशपांडे जयंती पर भव्य वार्षिकोत्सव का आयोजन

रायपुर। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के 73वें स्थापना दिवस एवं संस्थापक बाला साहब देशपांडे की जयंती के अवसर पर आज कल्याण आश्रम विद्यालय परिसर में वार्षिकोत्सव एवं स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि नागपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता गजानन असोले एवं देवमंगल मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव गोविंद नारायण सिंह उपस्थित रहे। समारोह में विधायक रायमुनी भगत, नगरपालिका जशपुर के अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद पंचायत जशपुर के अध्यक्ष गंगाराम भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश

प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सदस्य शांति भगत, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कल्याण आश्रम के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए संस्थापक बाला साहब देशपांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान है और इसे सहेजना हम सबका सामूहिक दायित्व है। जनजातीय समाज की संस्कृति, कला और जीवनशैली के संरक्षण में बाला साहब देशपांडे का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। मंत्री चौधरी ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीता आया है। वृक्ष, पर्वत, नदियां, धरती माता और गौमाता की पूजा प्रकृति के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। आज आदिवासी खान-पान, जैविक खेती तथा कोदो-कुटकी जैसे पौष्टिक अनाजों को वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है, जो जनजातीय परंपराओं की प्रासंगिकता को सिद्ध करता है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महानायकों ने देश की आज़ादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित कर आदिवासी समाज के योगदान को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ हुई है। राममंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक जैसे कार्यों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा मिली है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नवा रायपुर में निर्मित जनजातीय संग्रहालय जनजातीय संस्कृति और महानायकों के योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रहा है। कार्यक्रम में वनवासी कल्याण आश्रम मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री सुभाष बड़ोले एवं अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्री योगेश बापट ने आश्रम की गतिविधियों, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण में उसकी भूमिका तथा बाला साहब देशपांडे के प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं मलखंभ प्रदर्शन ने मोहा मन समारोह के दौरान लोक कला संगम के अंतर्गत 150 से

संतों के खिलाफकांग्रेस ने सदैव षडयंत्र किया है:अमित चिमनानी

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने सनातन विरोधी बयानों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा धर्मांतरण के खिलाफ खड़ी है जबकि कांग्रेस सनातन धर्म के खिलाफ खड़ी है। श्री चिमनानी ने कांग्रेस पर धर्मांतरण को खुला संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस संत, समाज समेत हर उस व्यक्ति के खिलाफ षड्यंत्र करती है जो धर्मांतरण का विरोध करता है। चिमनानी ने पं. प्रदीप मिश्रा व पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा अंध विश्वास फैलाने संबंधी बयान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आड़े हाथों लेते हुए मांग की कि भूपेश बघेल अपने बयान के लिए लाखों-करोड़ों सनातन-प्रेमियों से माफी मांगें और यदि वह माफी नहीं मांगते हैं तो कांग्रेस नेतृत्व उन पर कार्रवाई करे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री चिमनानी ने कहा कि जिसने भी धर्मांतरण के खिलाफकहा और धर्मांतरण के विरुद्ध समाज को जागरूक किया।

आधुनिक नर्सरी विकास की दिशा में अहम पहल, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक पर तीन दिवसीय कार्यशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विकास निगम द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का उपयोग पौधों के उत्पादन और प्रशिक्षण के लिए किया जा रहा है, ताकि मिट्टी रहित खेती को बढ़ावा मिले। पानी और भूमि की बचत हो और महिला स्व-सहायता समूहों (स्ाान्ह्य) तथा किसानों की आजीविका में वृद्धि हो सके। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 18 से 20 दिसंबर 2025 तक किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से पौध उत्पादन की जानकारी देना तथा नर्सरी विकास को बढ़ावा देना रहा।

आधुनिक नर्सरी विकास की दिशा में अहम पहल

पौधा रोपण का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण : कार्यशाला में प्रतिभागियों को कोकोपीट, वर्मीकम्पोस्ट और सोलराइट जैसे माध्यमों को सही अनुपात में मिलाकर ट्रे में पौधा रोपण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें नरम तने (सॉफ्टवुड) और कठोर तने (हार्डवुड) वाली विभिन्न प्रजातियों के पौधों को लगाया गया। पौधों के बेहतर विकास के लिए पोषक तत्वों से युक्त घोल तैयार करना और उसका उपयोग भी सिखाया गया।

जल की बचत के लिए ड्रिप इरिगेशन प्रणाली की आवश्यकता : तीन दिनों के प्रशिक्षण के दौरान हाइड्रोपोनिक्स की विभिन्न विधियों को प्रतिभागियों ने स्वयं करके सीखा। विशेष रूप से ड्रिप इरिगेशन प्रणाली के महत्व को समझाया गया, जिससे कम पानी में पौधों को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराया जा सकता है और जल की बचत होती है।

पौधों को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराने योजना कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए हाइड्रोपोनिक इनडोर सजावटी पौधों को निगम द्वारा स्मृति-चिन्ह के रूप में वितरित किया जाएगा। भविष्य में इन पौधों को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराने की भी योजना है, जिससे निगम को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर प्रबंध संचालक श्री प्रेम कुमार के मार्गदर्शन और दूरदर्शी सोच की सराहना की गई। उनके निर्देश पर निगम के विभिन्न मंडलों में हाइड्रोपोनिक्स तकनीक से आधुनिक नर्सरियों के विकास की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।आगामी कार्ययोजना के तहत किचन गार्डन और टेरेस गार्डन को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में परामर्श (कंसल्टेंसी) सेवाएं विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यशाला में निगम के विभिन्न मंडलों से अधिकारी और मैदानी कर्मचारी शामिल हुए।

जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर रायपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। आगामी जनगणना-2027 के सफल आयोजन एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रायपुर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी देना तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत अमले को कार्यकुशल बनाना रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़े एकत्रित किए जाते हैं। यह आंकड़े शासन की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों एवं नीतिगत निर्णयों के लिए आधार प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना के चरणों, डिजिटल माध्यम से डेटा संग्रह, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, गोपनीयता बनाए रखने तथा समयबद्ध कार्य निष्पादन के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही संभावित चुनौतियों एवं उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।

बस्तर के उद्योगों में ग्रीन पैकेजिंग की नई पहल, रैम्प योजना के तहत व्यवसायियों और स्व-सहायता समूहों के लिए आयोजित हुई जागरूकता कार्यशाला

रायपुर। बस्तर जिले में औद्योगिक विकास को पर्यावरण-अनुकूल दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल की गई है। शुक्रवार को जगदलपुर स्थित कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना (रैम्प) के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) तथा स्व-सहायता समूहों को ग्रीन पैकेजिंग के महत्व से अवगत कराना और इस नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यशाला में बड़ी संख्या में स्थानीय उद्यमी, नवोदित व्यवसायी और स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जो पैकेजिंग सामग्री निर्माण के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं तलाश रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान भारतीय गुणवत्ता

परिषद एवं सिपेट रायपुर के विषय विशेषज्ञों ने ग्रीन पैकेजिंग से जुड़ी तकनीकी जानकारियां साझा कीं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों से पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग तैयार करने की विधियों, लागत लाभ और बाजार में इसकी बढ़ती मांग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन ने कहा कि ग्रीन पैकेजिंग केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक सशक्त जरिया भी बन सकती है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से बस्तर के उत्पादों को वैश्विक बाजार में एक विशिष्ट पहचान मिलेगी और स्थानीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के रैम्प कार्यक्रम की संचालक सुश्री अंकिता पांडे ने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कार्यक्रम एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत उद्यमियों को तकनीकी सहयोग के साथ-साथ विलंबित भुगतान जैसी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान में भी सहायता प्रदान की जाती है। वहीं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के श्री अरविंद तिवारी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की, ताकि उद्यमी इनका अधिकतम लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती लक्ष्मी वैद्य ने राज्यभर में रैम्प योजना के तहत संचालित गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उद्यमिता जागरूकता, निर्यात प्रशिक्षण, डिजिटल मार्केटिंग और वित्तीय पहुँच से जुड़े कार्यक्रम सूक्ष्म उद्योगों के लिए सफलता के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। यह कार्यशाला बस्तर के उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों को आधुनिक, नवाचारी और इको-फ्रेंडली तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी, जो सतत विकास के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने स्वर्णलता देवी सिंहदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव की माताजी स्वर्णलता देवी सिंहदेव (धर्मपत्नी : स्व. अरुणप्रताप सिंहदेव) के देहावसान पर गहन शोक व्यक्त किया है। श्री देव ने अपने शोक संदेश में सिंहदेव-परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेया स्वर्णलता देवी सिंहदेव के देवलोक गमन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। स्व. स्वर्णलता देवी को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री देव ने कहा कि यह हम सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की व्यक्तिगत रूप से अपूरणीय क्षति है। श्री देव ने स्व. स्वर्णलता देवी की आत्मा को चिरशांति और सभी शोकाकुल परिजनों को धैर्य व सम्बल प्रदान करने की प्रार्थना परमपिता परमेश्वर से की है।

श्वष्ठ ने पेश किया 82 आरोपियों के खिलाफ29 हजार से अधिक पन्नों का अंतिम चालान

रायपुर । छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में श्वष्ठ ने आज कोर्ट में लगभग 29 हजार 800 से अधिक पन्नों का अंतिम चालान पेश किया. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 82 आरोपियों के खिलाफचार्जशीट पेश की गई है. अब मामले का ट्रायल शुरू होगा।छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में श्वष्ठ जांच कर रही है. श्वष्ठ ने ष्ठक्क में स्नढ्ढक्र दर्ज कराई है. दर्ज स्नढ्ढक्र में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है. इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद स्नढ्ढक्र दर्ज है. श्वष्ठ ने अपनी जांच में पाया है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में ढ्ढ्रस् अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी.क्क त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

संपादकीय

बाजार के विस्तार की उम्मीदें

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एसयूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई। धूम-धड़ाके से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी ढांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुई, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में मांग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-आप में महत्त्वपूर्ण प्रश्न है।

अकेलेपन से भरा हुआ।

उम्र बीत गई
सब परिचित रहे
पर आशाओं का कोई दरवाज़ा
कभी खुला ही नहीं
लोग पास से गुज़रते
जैसे हवा किसी पत्ते को छूकर
बिना ठहरे निकल जाती
मुस्कान भी
कभी रुककर नहीं बैठी
मेरे ही शहर में
मेरा नाम नही
मेरी चुप्पी ही ज़्यादा
जानी गई,
रिश्ते रहे पर अपनापन नहीं
मेरा घर बिखरा हुआ
पर उसमें झाँकने लायक
कोई जिज्ञासा नहीं
दरवाज़ा नहीं
फिर भी कोई दस्तक नहीं
एक फ़क़ीर
दिन भर घूम-घूमकर
बातें बाँटता रहा
शहर के लोग
उसे सुनते रहे
रिश्ता नहीं जुड़ा
शहर वही रहा
चेहरे वही
पर समय पर
कंधा मिलेगा
इस भ्रम में
कभी नहीं रहा
भीड़ बहुत पर हर कोई
अपने-अपने अकेलेपन में
पूरा भरा हुआ
किसी का किसी से
असल नेह नहीं
यह मेरी नहीं
तेरी भी नहीं
यह सबकी कहानी
जहाँ बोलने से ज़्यादा
चुप रहना
आसान रास्ता बन गया
खामोशी
मेरी सबसे पुरानी साथी रही
वह मुझसे
धीरे-धीरे बात करती रही
आवाज़ का
मेरी ज़िंदगी से
कभी गहरा नाता नहीं बना
मैं रहा
शहर रहा
सब कुछ मौजूद
बस
साथ होने का अर्थ
कहीं खो गया

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

बांग्लादेश : सत्ता-संघर्ष, कट्टरपंथ और लोकतंत्र की अनिश्चित राह

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बांग्लादेश एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लोकतंत्र, सत्ता और कट्टरपंथ के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। 17 वर्षों के स्वनिर्वासन के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है, जो शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश की राजनीति में लगातार गहराती चली गई है। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस स्वयं कई मोर्चों पर घिरते नजर आ रहे हैं और जिन ताकतों को उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्थान दिया, वही आज शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद जिस छात्र आंदोलन को 'जुलाई क्रांति' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उससे देश में यह उम्मीद जगी थी कि एक नई, पारदर्शी और समावेशी व्यवस्था की नींव रखी जाएगी। इसी उम्मीद के साथ छात्र नेताओं और नागरिक समाज के एक बड़े वर्ग ने मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी। लेकिन कुछ ही महीनों में यह भ्रम टूटने लगा कि यह संघर्ष व्यवस्था परिवर्तन का है। चुनाव को लेकर बढ़ती खींचतान, स्पष्ट रोडमैप का अभाव और सत्ता के इर्द-गिर्द सिमटती निर्णय प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया कि अब लड़ाई लोकतंत्र को मजबूत करने की नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जे की है।

इस संदर्भ में कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े युवा नेता शरीफउस्मान हादी की हत्या ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। हादी जुलाई आंदोलन से उभरे उन चेहरों में थे, जिनका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। उनकी हत्या के बाद उनके भाई द्वारा लगाए गए आरोप कि यह हत्या अंतरिम सरकार से जुड़े तत्वों की साजिश है ताकि चुनाव टाले जा सकें, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नैतिकता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो इसका अर्थ यह होगा कि सत्ता में शामिल कुछ शक्तियां जानबूझकर देश को अस्थिरता एवं घोर अशांति की ओर धकेल रही हैं, ताकि चुनावी प्रक्रिया को अपने अनुकूल मोड़ा जा सके। कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक है। जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों का अंतरिम सरकार पर बढ़ता दबाव, सड़कों पर बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कानून-व्यवस्था तेजी से कमजोर हुई है। विडंबना यह है कि जिन कट्टरपंथी तत्वों को शेख हसीना सरकार के विरोध में 'लोकतांत्रिक सहयोगी' के रूप में देखा गया, वही आज बांग्लादेश की सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक भूल है, जो दक्षिण एशिया के कई देशों में पहले भी की जा चुकी है-जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए कट्टरपंथ को जगह दी गई और परिणाम दीर्घकालिक अस्थिरता के रूप में

सामने आया। तारिक रहमान की वापसी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। ब्रिटेन में 17 वर्षों से अधिक समय बिताने के बाद उनका लौटना केवल व्यक्तिगत निर्वासन की समाप्ति नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक नए शक्ति-संतुलन का संकेत है। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन मुकदमों के कारण वे देश से बाहर थे, उनमें अंतरिम सरकार के दौरान राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफहुआ। जिस दिन तारिक रहमान ढाका लौटे, उसी दिन यह संकेत भी सामने आया कि शेख हसीना की अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर रखा जा सकता है। यह संयोग कम और रणनीति अधिक प्रतीत होता है। बीएनपी इस समय चुनावी गणित के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है और तारिक रहमान को देश का अगला प्रधानमंत्री माने जाने की चर्चा तेज है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अवामी लीग के बिना होने वाला चुनाव बांग्लादेश की जनता की वास्तविक इच्छा को प्रतिबिंबित कर पाएगा? लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि सभी प्रमुख राजनीतिक धाराओं को समान अवसर देने की प्रक्रिया है। यदि किसी एक बड़े दल को सुनियोजित ढंग से बाहर रखा जाता है, तो चुनाव की वैधता पर संदेह स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए भारत की ओर से सहयोग की पेशकश करना एक सकारात्मक संकेत है, और बीएनपी द्वारा उसका स्वीकार किया जाना दोनों देशों के बीच नए समीकरणों की ओर इशारा करता है। लेकिन यह भी सच है कि यह निकटता स्वार्थों की राजनीति से पूरी तरह मुक्त नहीं है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे हमले अब केवल आंतरिक कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गए हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीतिक जिम्मेदारी और नैतिक सरोकार से सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। हाल ही में अमृत मंडल नामक एक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की घटना इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति थमने के बजाय और अधिक निर्भीक होती जा रही है। धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार के लिए अब यह अनदेखा करने का विषय नहीं रह गया है; आवश्यकता है कि वह कूटनीतिक स्तर पर सख्त संदेश दे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए और यह स्पष्ट करे कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

आगामी चुनावों के संदर्भ में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को एक केंद्रीय मुद्दा बनाया जाना चाहिए, क्योंकि भय और असुरक्षा के वातावरण में निष्पक्ष चुनाव की कल्पना ही बेमानी है। बांग्लादेश में यदि वास्तव में लोकतंत्र की बहाली का दावा किया जा रहा है, तो वहां ऐसी सरकार का गठन आवश्यक है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान की गारंटी दे सके। हिंदुओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना न तो राजनीतिक स्थिरता संभव है और न ही क्षेत्रीय शांति। भारत की भूमिका इस संदर्भ में केवल पड़ोसी देश की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति की है, जिसे मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटना होगा।

बांग्लादेश आज जिस मुसीबत के भंवर में फँसा है, उसके पीछे आंतरिक कारकों के साथ-साथ बाहरी प्रभावों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की ऐतिहासिक भूमिका और कट्टरपंथी नेटवर्कों के साथ उसके संबंधों को देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं कि बांग्लादेश की अस्थिरता में परोक्ष योगदान बाहरी शक्तियों का भी हो सकता है। ऐसे में मोहम्मद यूनुस की यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरिम सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा में ले जाएँ। लेकिन अब तक के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि वे हालात को संभालने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। फिर भी, इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच तारिक रहमान के बयानों और राजनीतिक स्वरों में कुछ लोग समाधान की झलक देखते हैं। यह उम्मीद इस विश्वास पर टिकी है कि बीएनपी, चाहे उसका अतीत विवादास्पद रहा हो, सत्ता में आकर कट्टरपंथी दबावों को संतुलित कर सकेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी। किंतु यह भी एक कड़वा सत्य है कि कट्टरपंथी ताकतों से लोकतंत्र बहाल होने की उम्मीद अपने आप में एक विरोधाभास है।

अंततः बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है- क्या वह एक समावेशी, बहुदलीय और संवैधानिक लोकतंत्र की राह चुनेगा या फिर सत्ता-संघर्ष और कट्टरपंथ की दलदल में और गहराता जाएगा? इसका उत्तर केवल किसी एक नेता या दल के हाथ में नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवेक में है, जो आने वाले महीनों में देश की दिशा तय करेगा। यदि निष्पक्ष चुनाव, कानून का राज और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो तारिक रहमान की वापसी भी इतिहास में एक और चूके हुए अवसर के रूप में दर्ज हो सकती है। **यह निजी विचार है।**

अंत्योदय के साधक थे हमारे अटलजी

आधुनिक भारत के शिल्पकार श्रद्धेय अटलजी

अरुण साव
लेखक उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ हैं

आरत रत्न छत्तीसगढ़ के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे नायक थे, जो आने वाली पीढ़ियों को अपने कृतित्व से प्रेरित करते रहेंगे। आज सामाजिक, राजनीतिक एवं समाज जीवन के अनेक क्षेत्र में लक्ष्यावधि लोग अटल की प्रेरणा से राष्ट्रकार्य में अपनी श्रेष्ठतम भूमिका सुनिश्चित कर रहे हैं. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकलीओं के लिए वह पितातुल्य अभिभावक थे. ज्योतिपुंज अटल राजनीतिक क्षेत्र में जिस तरह निरहंकारी एवं ध्येयनिष्ठ व्यक्तित्व से लोगों के हृदय में बसे रहे वह देवदुर्लभ है. सहज-सरल, धोती कुर्ता पहने वह लोगों के बीच इतने सामान्य रूप में उपस्थित होते थे कि उनसे मिलने और अपनी बात रखने में कभी किसी कार्यकर्ता या सामान्य जन को जरा भी संकोच नहीं होता था. अटलके व्यक्तित्व में बहुमुखी प्रतिभा थी. कवि हृदय लेखक एवं पत्रकार के रूप में उन्हें मां सरस्वती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त था. राष्ट्रधर्म, पांचजन्य एवं स्वदेश जैसे समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं को राष्ट्रीयता से ओतप्रोत अपनी पत्रकारिता से सिंचने का पुनीत कार्य उन्होंने किया वह आज भी देश और समाज को दिशा दे रहा है. एक कुशल राजनेता के रूप में अंत्योदय के वह अहर्निश पुजारी के रूप में आजीवन राष्ट्रसाधना में जुटे रहे. अटल आधुनिक भारत के वह महान शिल्पकार थे जिन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, सर्व शिक्षा अभियान जैसे अंत्योदय के अनुष्ठान से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की अविरल धारा पहुंचाई. सड़कें किसी भी क्षेत्र की प्रगति की सूचक होती हैं, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजनाओं ने दूरस्थ और अभावग्रस्त क्षेत्र तक समृद्धि और अवसर पहुंचाने का काम किया है. सर्वशिक्षा अभियान के जरिए हर बच्चे को स्कूल तक ले जाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ.

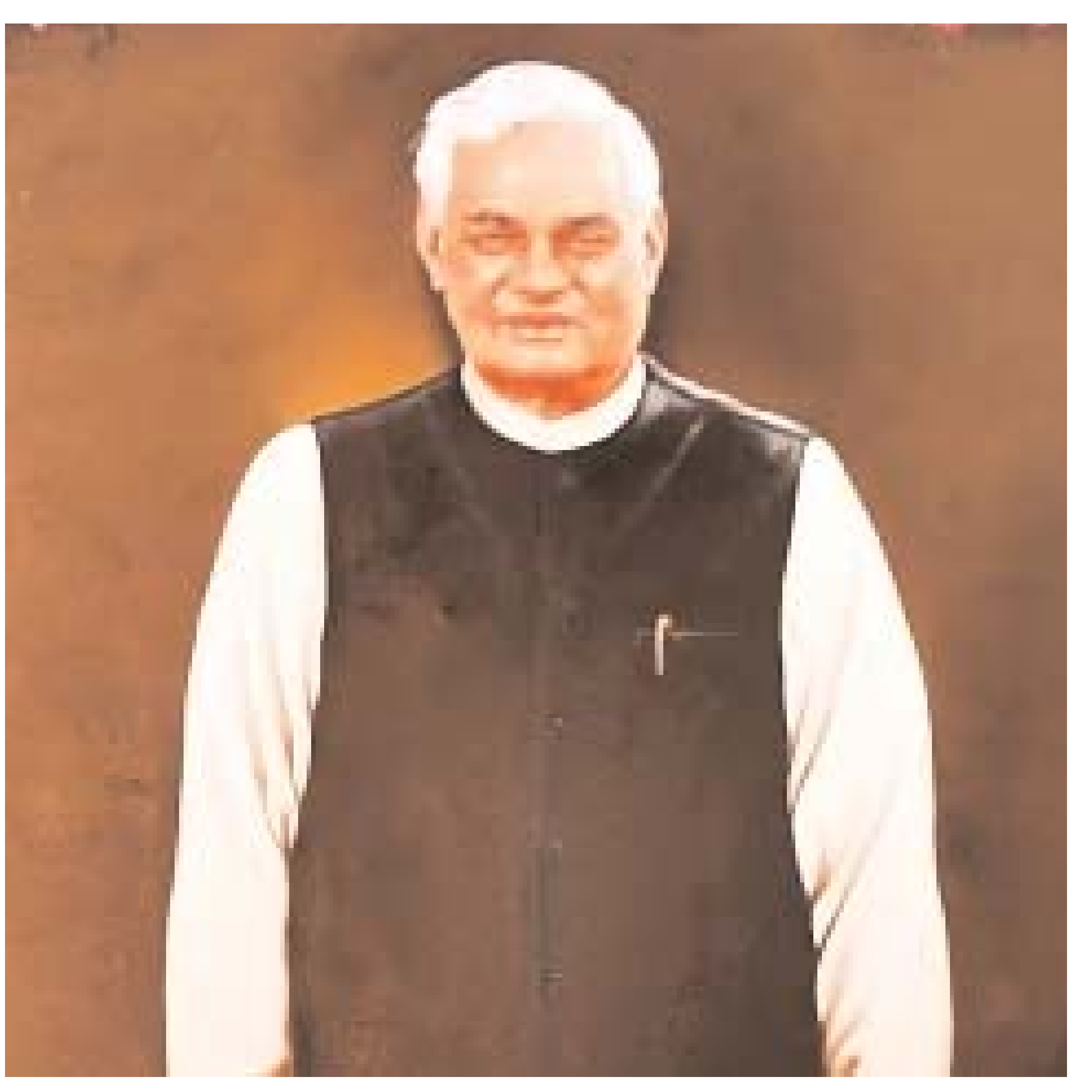

अटल के जीवन में राष्ट निर्माण के अनुपम सूत्र समाए हुए थे. विपक्ष और अन्य प्रतिस्पर्धी दलों के नेता भी उनसे प्रभावित होते थे तथा उनसे आवश्यक सुझाव लिया करते थे. दलगत भावना से ऊपर उठकर वह राष्ट्रहित में सदैव खड़े रहे. विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ जाने के कारण राष्ट्रभक्ति का जो ज्वार उनके भीतर रहा वह आजीवन उनकी कविताओं तथा उनके कृतित्व में प्रकट हुआ. राजनीतिक क्षेत्र में कई बार लोग मनभेद कर लेते हैं, लेकिन उनके हृदय में किसी के प्रति कभी मन में विकार नहीं रहा. उनकी सहजता के कारण ही भिन्न विचारधारा के लोगों में भी उनकी स्वीकार्यता थी. हमारे छत्तीसगढ़ की 31 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या जनजातीय समाज से आती है. देश में कई दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने जनजातीय समाज को हमेशा वोटबैंक की तरह उपयोग किया, लेकिन उनका उत्थान कभी प्राथमिकता में नहीं रहा. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में केंद्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की. आज छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर पूर्व समेत विभिन्न राज्यों में जनजातीय समाज के उत्थान हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं. उन्होंने कथित आर्थिक महाशक्तियों के दबाव में आए बिना देश को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट बनाया, अटलका मानना था कि अधोसंरचना विकास किसी भी राष्ट की धमनियों की तरह होता है. उन्होंने कई ऐसे क्षेत्र में निक्षेत्र की उद्यमीता को बढ़ावा दिया जो लंबे समय तक गैरप्रतिस्पर्धी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए ही आरक्षित मान लिए गए थे. इससे देश की अर्थव्यवस्था में गुणवत्ता एवं प्रतिस्पर्धा का विकास हुआ.

अटलकी दूरदृष्टि से छत्तीसगढ़ के निर्माण का वह संकल्प पूर्ण हुआ जिसके लिए हमारे पुरखी ने लंबा संघर्ष किया. छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ लोगों के लिए यह वर्ष राज्य की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है. ऐसे में प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपने राज्य निर्माता अटलके प्रति कृतजता प्रकट कर रहा है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमने इस वर्ष की अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है. हमारी सरकार के प्रत्येक निर्णय में अटलके सुशासन का दर्शन होता है. वह चाहे किसानों की आमदनी दोगुनी करने से जुड़े अनेक निर्णय ही, जिनमें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी, श्रीअन्न, दलहल, तिलहन एवं औषधीय खेती को प्रोत्साहन हो या फिर जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन अन्नदाता के प्रति हमारी प्राथमिकता को साबित करता है.

मातृशक्ति के आर्थिक स्वावलंबन के लिए महतारी वंदन योजना एवं महतारी सदन के निर्माण के साथ ही छत्तीसगढ़ में हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता श्रमिकों के लिए 5500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण राशि एवं चरण पादुका जैसे कल्याणकारी निर्णयों के पीछे मोदी गारंटी एवं अटलके सुशासन का संकल्प ही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विष्णुदेव साय की डबल इंजन सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए सुशासन एवं अभिकरण विभाग का गठन किया है. ई- ऑफिस जैसे नवाचार से शासकीय कामकाज में पारदर्शिता एवं दक्षता आई है. दैनिक जीवन से लेकर उठ्यम लगाने से जुड़ी गतिविधियों में सहजता हो इस उद्देश्यों से हमारी डबल इंजन सरकार ने लगभग चार सौ नीतिगत सुधार किए हैं. यह छत्तीसगढ़ को सुशासन के बेहतरीन मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित करता है.

आज देश के प्रधानसेवक एवं विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विकसित भारत एवं विकसित उत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं, सकल्प से सिद्धी की यात्रा सही मायने में अटलकी प्रेरणा से ही संभव होगी. यही उन्हें सच्ची आदरांजलि होगी.

यह निजी विचार है।

सुशासन, संवेदना और सुरक्षा : श्रमिक हित में छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष

छगनलाल लोन्हारे

सुशासन केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की संकल्पबद्ध प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन का श्रम विभाग विगत दो वर्षों में इसी सुशासन की भावना को धरातल पर साकार करता हुआ दिखाई देता है। इस अवधि में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने तथा उन्हें सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए अनेक ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम उठाए गए हैं।

विष्णु के सुशासन की स्पष्ट झलक श्रम विभाग द्वारा अपनाए गए डिजिटल नवाचारों में दिखाई देती है। प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से समस्त नस्तियों का संधारण ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रारंभ किया गया है। विभागीय योजनाओं और सेवाओं को आमजन के लिए सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने हेतु एक आधुनिक, यूज़र-फ्रेंडली विभागीय वेबसाइट विकसित की गई है। श्रमिकों की सुविधा को केंद्र में रखते हुए तैयार किया गया 'श्रमेव जयते' मोबाइल ऐप श्रमिक पंजीयन, योजनाओं में आवेदन तथा श्रमिक पलायन की ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है, जो डिजिटल सुशासन की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

राज्य के नवगठित जिलों तक श्रम विभाग की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पाँच नवीन श्रम पदाधिकारी कार्यालयों की स्थापना हेतु 20 पदों का सृजन किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के दौरान श्रमायुक्त संगठन अंतर्गत श्रम पदाधिकारी, श्रम निरीक्षक एवं उप निरीक्षक के पदों पर कुल 32 नई नियुक्तियाँ की गईं। इन प्रयासों से न केवल विभागीय कार्यों में गति आई, बल्कि श्रमिकों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ भी सुनिश्चित हुईं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने श्रम कानूनों में आवश्यक और संतुलित सुधार करते हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और श्रमिक हितों के मध्य सामंजस्य स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 2017 के प्रभावी क्रियान्वयन से छोटे व्यापारियों को राहत मिली, वहीं नियत कालिक नियोजन कर्मकार की नई श्रेणी ने रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोले।

राष्टपति की अनुमति के उपरांत लागू किए गए छत्तीसगढ़ श्रम कानून संशोधन एवं विविध प्रावधान विधेयक, 2025 के माध्यम से अवैधानिक हड़ताल पर नियंत्रण, छोटे अपराधों में समझौते तथा लघु उद्योगों को छूट जैसे प्रावधान किए गए। महिला सशक्तिकरण की दिशा में रात्रि पाली में महिला कर्मकारों के सशर्त नियोजन की अनुमति देना सरकार की प्रगतिशील और संवेदनशील सोच को दर्शाता है।

श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में श्रमिक कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की मानवीय प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। विभिन्न श्रम मंडलों के माध्यम से दो वर्षों में 11.03 लाख नए श्रमिकों का पंजीयन किया गया तथा 27.33 लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस अवधि में 784.73 करोड़ रुपये से अधिक की राशि श्रमिक कल्याण पर व्यय की गई, जो यह दर्शाती है कि यह सरकार आंकड़ों से आगे बढ़कर संवेदना के साथ श्रमिकों के जीवन में बदलाव ला रही है। 24×7 संचालित मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र ने शिकायत निवारण और पंजीयन प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया है। वहीं प्रत्येक जिले और विकासखंड में संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केंद्रों ने प्रशासन को सचमुच श्रमिकों के द्वार तक पहुँचाया है। निर्माण श्रमिकों के पंजीयन में स्व-घोषणा प्रमाण पत्र की व्यवस्था ने प्रक्रियाओं को सरल किया, जबकि मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के माध्यम से सैकड़ों श्रमिक परिवारों को अपने पक्के आवास का सपना साकार करने में सहायता मिली। मिनीमाता महतारी जतन योजना एवं असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना के अंतर्गत लाखों महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता प्रदान की गई, जिससे मातृत्व सुरक्षा को नया संबल मिला। श्रमिक परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग, छात्रवृत्ति, मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन तथा नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना जैसी पहल ने शिक्षा के प्रति विश्वास को मजबूत किया है। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत मात्र पाँच रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना सुशासन की मानवीय और संवेदनशील आत्मा को दर्शाता है।

केसिंगा में बूढ़ा डगर लोक महोत्सव का भव्य उद्घाटन

केसिंगा ,स्थानीय जगन्नाथ मन्दिर परिसर में विगत 30 सालों से स्थानीय वृंदावन संस्कृत अनुष्ठान की तरफ से बड़े हर्ष और उल्लास के साथ यह महोत्सव हर साल की तरह इस साल भी पालन किया जाता है। इस महोत्सव में राज्य एवं राज्य के बाहर से सभी तरह के कलाकारों का आगमन होता है। इस बार कुछ नया एवं आकर्षण करने वाला कार्यक्रम देखने को मिल रहा है। इस महोत्सव में केसिंगा शहर एवं आसपास के क्षेत्र से हजारों की संख्या में दर्शक बूंन्द आनंद लेने के लिए इस महोत्सव में एकत्रित होते हैं। कड़ाके की ठन्ड के बावजूद भी कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। वृंदावन संस्कृत अनुष्ठान के अध्यक्ष सुशांन्त कुमार महापात्र एवं महासचिव अक्षय कुमारदास के अथक प्रयास से इन सभी कार्यक्रमों को सुचारू रूप से पालन किया जाता है। आज की इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कालाहांन्डी जिल्ला के उप जिल्लाधिकारी तनमय कुमार तारबन , सम्मानित अतिथि के तौर पर श्री विवेकानंद महानंद, स्वतंत्र अतिथि केसिंगा पंचायत के अध्यक्ष श्री चंन्दन सेनापति केसिंगा महाविद्यालय के अध्यक्ष सुशांन्त कुमार पड़ी का गरिमा मय उपस्थित रहा। यह महोत्सव 27 एवं 28 तारीख को पड़े ही धूमधाम से पालन करने के लिए अनुष्ठान के कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया है। जैसे कि विक्रम बारिक, सुरेश महानंन्द, भारत बंसल, आदि महोत्सव में कुछ सामाजिक संगठनों को भी सम्मानित किया जाएगा ।इस महोत्सव का प्रचार प्रसार की के लिए भारी संख्या में पत्रकार बंधुओ की उपस्थित रहे।

मोमिनपारा में भारत माता की आरती हुई

लोकशक्ति। छत्तीसगढ़ उर्दू एकाडमी के पूर्व उपाध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व रिज़वान पटवा ज़ी हर वर्ष 25 दिसंबर को एच एम टी चौक पर भारत माता के पूजन और आरती का कार्यक्रम आयोजित कर जन जन मे राष्ट्रभक्ति का भा,व जागृत किया करते थे उनकी उस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके छोटे भाई मोनिस पटवा ज़ी ने आज एच एम टी चौक मोमिन पारा मे आज शाम 7 बजे भारत माता के पूजन और आयोजन किया जिसमे बड़ी संख्या मे राष्ट्रभक्त नागरिकगण शामिल हुए उक्त अवसर पर आदरणीय भगवती शर्मा, रायपुर नगर निगम मे राजस्व विभाग के अध्यक्ष एवं पार्षद अवतार सिंह बागल, भाजपा जवाहरनगर मण्डल अध्यक्ष संदीप जघेल युनुस कुरैशी,घनश्याम रक्सेल मनोज विश्वकर्मा जी तनमय बक्शी निशांत शर्मा मनोज शर्मा कुशल गोंडेकर मुस्तफा हसन हैदर अली गुलाम मुस्तफा मजहिर हुसैन रिजवान रजा दिलबर हुसैन नादे अली मोहम्मद सलीम मोहम्मद यूसा जीशान अली गोपी निषाद सहित अनेकानेक नागरिकगण उपस्थित थे।

जिला पंचायत सभापति बीरम बाई मंडावी ने फीता काटकर व बल्ला चलाकर क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

राजनांदगांव।

जिले के ग्राम बेंदाडी (छुरिया) में आयोजित बीपीएल (BPL) क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सभापति श्रीमती बीरम बाई मंडावी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर, फीता काटकर एवं बल्ला चलाकर किया। इस अवसर पर पूरे ग्राम में खेल उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति श्रीमती मंडावी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का विकास करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से गांव के खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ अनुशासित ढंग से खेलने की अपील की तथा आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

श्रीमती मंडावी ने कहा कि शासन एवं प्रशासन भी ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, ताकि गांवों के प्रतिभावान खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री रामकुमार मंडावी, श्री उभे राम मंडावी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता बाई सेवता, ग्राम पंचायत के सरपंच श्री गुमान पड़ोती, ग्राम पटेल सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, युवा वर्ग एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

निर्मला सिन्हा को लखनऊ में मिला अटल भारत रत्न सम्मान

राजनांदगांव। नवाबों के शहर लखनऊ में विगत चार वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे अटल भारत रत्न सम्मान समारोह के अंतर्गत इस वर्ष छत्तीसगढ़ के ग्राम जामरी निवासी स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री निर्मला सिन्हा 'निशा' का चयन किया गया। यह सम्मान प्रिंट मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रदान किया गया।

निर्मला सिन्हा की रचनाएं सामाजिक सरोकार, समाज सेवा एवं स्त्री विमर्श पर केंद्रित रही हैं। इसके साथ ही वे श्रृंगार रस से ओतप्रोत शायरी, ग़ज़ल एवं मुक्तक लेखन के लिए भी जानी जाती हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनकी निरंतर साधना, मेहनत एवं निष्ठा का ही परिणाम है कि अल्प समय में उन्होंने उल्लेखनीय पहचान बनाई और उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया।

सम्मान समारोह में निहारिका मंच की संस्थापिका आदरणीया रीमा जी एवं मंच के अध्यक्ष आदरणीय अजीज सिद्दीक़ी द्वारा देश-विदेश से पधारे कवि, कवयित्रियों, साहित्यकारों, नृत्यांगनाओं, मीडिया कर्मियों, लेखकों, पत्रकारों एवं कलाकारों को एक मंच पर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कवयित्री निर्मला सिन्हा 'निशा' को भी अटल भारत रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

यह सम्मान न केवल उनके साहित्यिक योगदान का सम्मान है, बल्कि छत्तीसगढ़ की साहित्यिक प्रतिभा के लिए भी गौरव का विषय है।

श्री जीण महोत्सव : 2025 (वर्ष 16वाँ) का आयोजन

रायपुर। लोकशक्ति

श्री जीण माता सेवा समिति, रायपुर द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला श्री जीण महोत्सव - 2025 (वर्ष सोहलवाँ) इस वर्ष भी दिनांक 28 दिसम्बर 2025, रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ रामनाथ भीमसेन सभा भवन, समता कॉलोनी, रायपुर में मनाया जाएगा।

इस वर्ष का महोत्सव विशेष रूप से भव्य एवं आकर्षक सजावट, सुसंस्कृत धार्मिक कार्यक्रमों और भक्ति भावना से ओत-प्रोत वातावरण के साथ आयोजित किया जा रहा है। माता रानी का दिव्य दरबार कोलकाता से आए 11 अनुभवी कलाकारों द्वारा प्राकृतिक पुष्पों, लाल एक्रेलिक शीट और रेशमी गोटों से अलंकृत किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर दरबार की सजावट में माता जी के विग्रह के साथ-साथ भगवान शिव, श्री गणेश जी एवं राम भक्त हनुमान

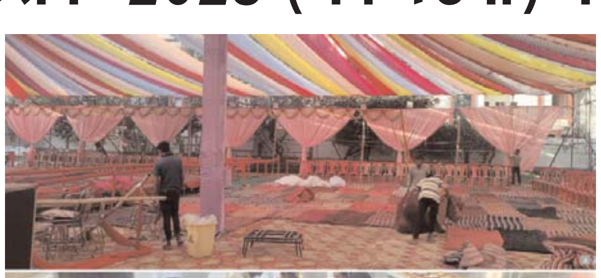

जी की झांकियाँ भी श्रद्धापूर्वक सजाई जा रही हैं। माँ जीण भवानी के त्रिशूल का भव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। इस वर्ष माता रानी को 81 सवामणि अर्पित की जाएगी, जिसकी तैयारी समिति की देखरेख में सविनय की जा रही है।

कार्यक्रम का विवरण

दिनांक 28 दिसम्बर 2025, रविवार **प्रातः 11:00 बजे - श्रृंगार दर्शन** प्रातः 11:30 बजे - ज्योति प्रज्वलन कर माता जी का पूरी श्रद्धा से आह्वान पश्चात हैदराबाद से पधारी भजन गायिका सुश्री प्रियंका गुप्ता तथा कोलकाता से पधारे श्री बालकिशन शर्मा के श्रीमुख से भजनों की अमृत धारा प्रवाहित होगी।

अपराह्न 02:00 बजे - श्री जीण माता शक्ति मंगलपाठ वाचन सकीर्तन

(जीण धाम, राजस्थान से पधारे मुख्य पुजारी श्री आनंद पाराशर जी द्वारा)

संध्या 05:00 बजे - जीण माता जीवन दर्शन पर नृत्य नाटिका

(प्रस्तुति - तुलिका एंड डांस ग्रुप, कोलकाता)

संध्या 07:00 बजे से पुनः भजनों की अविरल श्रृंखला आये हुए आमंत्रित भजन गायकों द्वारा 09:30 बजे महाआरती तक।

कार्यक्रम का समापन महा आरती पश्चात छप्पन भोग प्रसाद वितरण से होगा।

हजारों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए समिति द्वारा स्वागत, प्रसाद, सुरक्षा एवं व्यवस्था की विस्तृत तैयारियाँ की गई हैं। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से विनम्र निवेदन किया है कि वे सपरिवार इस पुण्य अवसर पर सम्मिलित होकर माँ जीण भवानी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

जिला पंचायत सभापति बीरम बाई मंडावी ने फीता काटकर व बल्ला चलाकर क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

लोकशक्ति। संवाददाता।

राजनांदगांव। जिले के ग्राम बेंदाडी (छुरिया) में आयोजित बीपीएल (BPL) क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को हर्षोल्लास और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सभापति श्रीमती बीरम बाई मंडावी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर, फीता काटकर एवं बल्ला चलाकर किया। इस अवसर पर पूरे ग्राम में खेल उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति श्रीमती मंडावी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना का विकास करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से गांव के खिलाड़ी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ अनुशासित ढंग से खेलने की अपील की तथा आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई

दी। श्रीमती मंडावी ने कहा कि शासन एवं प्रशासन भी ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, ताकि गांवों के प्रतिभावान खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री रामकुमार मंडावी, श्री उभे राम मंडावी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता बाई सेवता, ग्राम पंचायत के सरपंच श्री गुमान पड़ोती, ग्राम पटेल सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, युवा वर्ग एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विश्व हिंदू सम्मेलन के उपलक्ष्य में सोनपैरी से भव्य बाइक रैली का आयोजन

लोकशक्ति। सोनपैरी। संवाददाता।

आगामी 31 दिसंबर को आयोजित होने वाले विश्व हिंदू सम्मेलन के सफल आयोजन एवं जन-जागरण के उद्देश्य से ग्राम सोनपैरी में दिनांक 28 दिसंबर (रविवार) को प्रातः 10:00 बजे से एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली में क्षेत्र के समस्त ग्रामवासियों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं को सादर आमंत्रित किया गया है। यह बाइक रैली राष्ट्रधर्म, सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक समरसता के भाव को जाग्रत करने हेतु आयोजित की जा रही है। विश्व हिंदू सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय डॉ. मोहन भागवत (सरसंघचालक) एवं राष्ट्रीय संत गुरुदेव असंग देव का पावन सान्निध्य प्राप्त होने जा रहा है। इसी प्रेरणा के साथ यह बाइक रैली क्षेत्र में संगठनात्मक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश देगी।

बाइक रैली का प्रस्तावित मार्ग

सोनपैरी मुंडारा , जुलुम , टेकारी , पलोद , कनेहरा , भुरकुनी , रवेली , आमदी , परसदा , खट्टी , ढोढर , लमकेनी , परसूलीडीह , भरेंगभाठा , राखी , बेलर , कोपेडीह , चंडी , सकरी , भटगांव , खोरपा , सारखी , कोलर , छछानपैरी , सलोनी , सिंगरभाटा , सिवनी , सेजबहार , कांदुल , दतरेंगा , डोमा , खिलोरा , अंत में सोनपैरी।

आयोजन समिति ने बताया कि रैली पूर्णतः अनुशासित, शांतिपूर्ण एवं मर्यादित ढंग से सम्पन्न की जाएगी। सभी प्रतिभागियों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने तथा संगठन की गरिमा बनाए रखने का आग्रह किया गया है।

आयोजन समिति ने समस्त ग्रामवासियों, मातृशक्ति, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पूर्व सांसद व महापौर मधुसूदन यादव होंगे सिंघोला प्रीमियर लीग फाइनल के समापन समारोह के मुख्य अतिथि

,संवाददाता

राजनांदगांव। माँ भानेशवरी देवी शक्ति पीठधाम ग्राम सिंघोला के मिनी स्टेडियम में आयोजित सिंघोला प्रीमियर लीग-2025 (सीजनङ्क4) ग्रामीण अंचल की सबसे चर्चित क्रिकेट प्रतियोगिता के रूप में उभर कर सामने आई है। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित इस लीग ने न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया है, बल्कि खेल प्रेमियों के लिए भी भरपूर मनोरंजन का साधन बनी हुई है। प्रतियोगिता में कुल छह टीमों ने भाग लिया, जिनमें बजरंग 11 (कप्तान छनेन्द्र साहू), मां भानेश्वरी 11 (कप्तान राकेश साहू), महाकाल 11 (कप्तान रूपेंद्र साहू), पंचमुखी 11 (कप्तान राधे साहू), शीतला 11 (कप्तान हरीश चंद्राकर) तथा शिव शक्ति 11 (कप्तान मुकेश साहू) शामिल हैं। सभी टीमों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का भव्य समापन समारोह रविवार 28 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं राजनांदगांव के महापौर श्री मधुसूदन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे फाइनल मुकाबले के पश्चात विजेता, उपविजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करेंगे।

धान खरीदी में पारदर्शिता और किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर

कलेक्टर ने ली नोडल अधिकारियों, खरीद केंद्र प्रभारियों एवं ऑपरेटरों की बैठक

पी.व्ही. ऐप एवं सतर्कता ऐप में जानकारी दर्ज करते समय विशेष सावधानी बरतने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने जिले में धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से जिला ऑडिटोरियम, जांजगीर में खरीद केंद्र प्रभारियों, ऑपरेटरों सहित नोडल अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कलेक्टर श्री महोबे ने पी.व्ही. ऐप एवं सतर्कता ऐप में जानकारी दर्ज करते समय विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी से संबंधित सभी प्रविष्टियाँ समय पर, सही एवं पूर्ण रूप से दर्ज की जाएँ, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि की संभावना न रहे। कलेक्टर ने कहा कि ऐप में गलत या अपूर्ण जानकारी से किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सभी जिम्मेदार अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों पर नमी परीक्षण, तौल, भुगतान प्रक्रिया एवं टोकन व्यवस्था को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में ऐप संचालन, डेटा एंट्री, त्रुटि सुधार तथा सतर्कता संबंधी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि धान खरीदी के दौरान पारदर्शिता और किसान हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही एसडीएम एवं तहसीलदार को रकबा समर्पण का नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया। कलेक्टर ने सभी समिति प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित वजन के अनुसार ही धान की तौलाई की जाए, अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अनाधिकृत धान खरीदी किसी भी स्थिति में केंद्रों में नहीं होनी चाहिए तथा धान का सत्यापन पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने पर संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.के. तंबोली, जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू, सीसीबी नोडल श्री अमित साहू, डीएमओ श्री रमेश लहरे, सभी एसडीएम, धान खरीदी के नोडल अधिकारी एवं प्रभारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी, समिति प्रबंधक, कृषि विस्तार अधिकारी, डेटा एंट्री ऑपरेटर सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आरक्षक ने पेश की ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल गुम हुआ रूपये व जेवरात से भरा थैला मालिक को लौटाया

जांजगीर चांपा / सारागांव थाना में पदस्थ आरक्षक चंद्रहास लहरे ने ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा का मिशाल पेश करते हुए गुम हुए रूपए से भरे थैला मालिक को वापस किया है । इस मामले में आज दिनांक 27 दिसंबर 25 को आरक्षक चन्द्रहास लहरे जब प्रातः लगभग 11बजे ड्यूटी हेतु थाना सारागांव आ रहे थे, उसी दौरान सारागांव बस स्टैण्ड से लगभग 100 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे एक लावारिस थैला पड़ा मिला। थैला उठाकर देखने पर उसमें नगदी रकम एवं आभूषण पाए गए। आसपास किसी व्यक्ति के नहीं मिलने पर उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी सारागांव निरीक्षक सुभाष चौबे को इसकी सूचना दी और थैला थाना लाकर महिला प्रधान आरक्षक लेखक सरस्वती जांगड़े को सुपुर्दनामा किया गया। थैले की जांच करने पर उसमें 68,000 रुपए नगद, पुराने चांदी के जेवरात, आधार कार्ड एवं ग्रामीण बैंक की पासबुक पाई गई। प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर ग्राम सरवानी के सरपंच को सूचित किया गया, जिनके माध्यम से थैले के वास्तविक मालिक की पहचान नागेश्वरी धीवर उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम सरवानी, थाना सारागांव के रूप में हुई। संपर्क करने पर पीड़िता द्वारा बताया गया कि उक्त थैला चांपा में सुनार दुकान पर सोना-चांदी बदलने जाते समय गुम हो गया था। पीड़िता को

जिला समन्वयक एवं संकाय सदस्य के संविदा पद पर भर्ती हेतु आवेदन अब 15 जनवरी 2026 तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा /पंचायत संचालनालय अंतर्गत Revamped राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत जिले में रिक्त संविदा पदों जिला समन्वयक एवं संकाय सदस्य, जिला पंचायत संसाधन केन्द्र पर भर्ती हेतु 29 दिसम्बर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसमें तिथि को संशोधित करते हुए आवेदन अब 15 जनवरी 2026 तक सायं 05.30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। अभ्यर्थी निर्धारित समय तक आवेदन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जांजगीर-चांपा (छ.ग.) पिन 495668 के नाम से पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन केवल डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत दिशा-निर्देश जिले की वेबसाइट httpsÑ//janjgir-champa.gov.in तथा जिला पंचायत जांजगीर-चांपा के सूचना पटल से प्राप्त किए जा सकते हैं।

श्रीभगवान कृष्ण चंद्र स्वयं गौपालन किया करते थे –राजेश्री महन्त

श्रीमद् भागवत महापुराण एवं श्री राम कथा सहित अनेक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए महामंडलेश्वर

जांजगीर चांपा / छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज श्रीमद् भागवत महापुराण एवं श्री राम कथा सहित अनेक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश्री महन्त जी महाराज दिनांक 27 दिसंबर 2025 को ग्राम ग्राम पिसीद एवं खरौद में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में तथा ग्राम कौवांताल में आयोजित श्री राम कथा कार्यक्रम में सम्मिलित। आयोजक परिवारों के द्वारा उनका बहुत ही आत्मीयता पूर्वक स्वागत किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि- भगवान श्री कृष्णचंद्र जी स्वयं गौ पालन किया करते थे। वे गौ चारण के लिए भी जंगल में जाते थे, जब साक्षात परमात्मा मनुष्य का शरीर धारण कर गौ माता की सेवा कर सकते हैं तब हमारा और आपका यह परम सौभाग्य है कि हम भी अपने जीवन काल में उनकी सेवा करें इससे मनुष्य की सभी मानो कामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। श्री राम कथा में मानस के श्रोताओं को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि- मुखिया को मुख के समान होना चाहिए जो खट्टा, मीठा आदि अनेक रसों को ग्रहण स्वयं करता है किंतु शरीर के किन अंगों को कितना रस चाहिए इसका बटवारा विवेक पूर्वक करता है, श्री रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने लिखा है कि- मुखिया मुख सो चाहिए, खान-पान को एक?। पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।। इन कार्यक्रमों में उनके साथ कमलेश सिंह, सुबोध शुक्ला, गोविंद यादव, चन्द्रकान्त तिवारी, डॉ रामचंद्र पटेल, प्रमोद सिंह, पंकज शुक्ला, गौरव सिंह,गुलाब कौशिक, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए उल्लेखनीय है। उल्लेखनीय है कि राजेश्री महन्त जी महाराज अपनी एकदिवसीय प्रवास के दौरान ग्राम महंत के ठाकुर परिवार में शोक के कार्यक्रम में तथा ग्राम पचेड़ा में मांगलिक कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए।

विधायक ब्यास कश्यप ने किया सी.सी. रोड का भूमिपूजन

रासेयो ईकाई सुखरीकला ने वीर बाल दिवस पर गुरू गोविंद सिंह के साहिबजादो को दी गई श्रध्दांजलि

स्वयंसेवको ने नम आंखो ने याद किये साहिबजादो

जांजगीर चांपा । शाउमा विद्यालय सुखरीकला में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के द्वारा जिला संगठक वायके तिवारी के निर्देशानुसार तथा संस्था प्रमुख प्राचार्य बीएल चौधरी के संरक्षण मे तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी आरके राठौर के कुशल मार्गदर्शन मे 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित कर गुरू गोविंद सिंह के साहिबजादो को श्रद्धांजलि देते हुए वीर बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम मे स्वयंसेवको ने गुरू गोविंद सिंह के साहिबजादे बाबा अजित सिंह, बाबा जूझार सिंह, बाबा जोरावर सिह,बाबा फतेह सिंह तथा माता गुजरी सिंह की गगन भेदी नारो से जयकारा लगाते हुए ग्राम के गलियो मे रेली निकालकर उनकी शहादत को अमर करते हुए याद किया गया। मंचीय उद्बोधन मे प्राचार्य बीएल चौधरी ने कहा कि-गुरू गोविंद सिंह जी तथा उनके परिवार के शहादत के कारण ही आज भारत को विश्व बंधुत्व का दर्जा प्राप्त है। मुगल शासक के सामने गुरू गोविंद सिंह के परिवार का कोई भी सिख अपना सिर नही झुकाया बल्कि अपनी जान देकर देश की रक्षा की उनके बलिदान आज भारत के हर बच्चो के लिए प्रेरणास्रोत है ।कार्यक्रम मे स्वयंसेविका रागिनी बरेठ, कंचन मन्नेवार, सुमन कंवर ने तिरंगा फहरा कर साहिबजादो को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किए। कार्यक्रम मे मंच संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी आरके राठौर व आभार प्रदर्शन वरिष्ठ व्याख्याता के एस कंवर ने की। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विद्यालय के व्याख्यातागण केएस कंवर, अश्वनी लहरे, पुरूषोत्तम कंवर, डॉ शरद चंद्र आयुर्वेद चिकित्सक सुखरीकला,ओपी साहू लेखापाल, श्रीमति रंजना पाण्डेय (ग्रेड 02) रघुनाथ बरेठ, अरविंद यादव,मेघा यादव शिक्षिका बाराद्वार सहित स्वयंसेवक आर्यन टंडन, पियुष बैरागी, उमेश तांब्रे, तनिषा मन्नेवार, लता साहू,ईषा बरेठ, रीना वैष्णव सहित पंचायत के पंचगण तथा छात्र छात्राओ का सक्रिय सहयोग रहा।

नगरपालिका परिषद जांजगीर–नैला में.......

एसएनए स्पर्श प्रक्रिया के माध्यम से आवास योजना (शहरी) हितग्राहियों को किया राशि का भुगतान ....

जांजगीर चांपा – नगरपालिका परिषद जांजगीर–नैला क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से प्रथम किस्त की राशि हितग्राहियों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक अंतरण किया गया है। इस पारदर्शी एवं सुरक्षित ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से लाभ सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुँच रहा है, जिससे मध्यस्थता समाप्त हुई है तथा समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित हो सका है। राशि प्राप्त होते ही हितग्राहियों द्वारा आवास निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली है। नगरपालिका परिषद की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी बाधा के प्राप्त हो। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के माध्यम से शहर के जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। नगरपालिका परिषद जांजगीर–नैला द्वारा आगे भी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सतत् प्रयास किए जाएंगे, ताकि सबके लिए आवास का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

कमल शर्मा ने किया अटल जी के जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन

रायपुर, (आरएनएस)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री एवं प्रदर्शनी भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सजाई गई है। जिसे प्रदेश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अवलोकन कर इसकी बहुत प्रशंसा की जा रही है। इस दौरान देश के प्रसिद्ध उद्घोषक कमल शर्मा आज अवलोकन करने खुद भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचे। अटल जी पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री फिल्म पर उन्होंने अपनी आवाज दी है जिसे सभी के द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यू ईयर ईव में एमडी ड्रग्स सप्लाय करने वाला सबसे बड़ा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर)। न्यू ईयर ईव के मद्देनजर आयोजित होने वाली पार्टियों में एम.डी. ड्रग्स सप्लाय करने वाले दुर्ग के तस्कर को पुलिस ने सिद्धार्थ चौक, नरैय्या तालाब के पास रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम अब्दुल करीम उर्फसमीर (26) निवासी पाटन, जिला दुर्ग है। उसकी गिरफ्तारी एण्टी क्राइम एण्डसाइबर यूनिट और थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के तहत हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी न्यू ईयर पार्टीज़ के लिए आउटडोर फार्म हाउस और क्लबों में एम.डी. ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था। पूछताछ में सामने आया कि दुर्ग और रायपुर के कुछ ग्राहक और सप्लायर भी इस सिंडिकेट से जुड़े हैं, जिनकी अब पतासाजी की जा रही है। आरोपी के कब्जे से 04 ग्राम 790 मिलीग्राम एम.डी. ड्रग्स और 01 नग मोबाइल फोन जप्त किया गया, जिनकी कुल कीमत लगभग 55,000/- रुपये है। अभियान के तहत आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 357/25 धारा 21ए नारकोटिक एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

अयांश बिलासपुर ने किया डीबी वेंचर चैम्पियन ट्रॉफी पर किया कब्जा

राज्य स्तरीय रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन समारोह

जांजगीर-चाम्पा । जिला क्रिकेट संघ और फ इटर क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में अंचल के बहु प्रतिक्षित दुधिया रोशनी में खेली जाने वाली टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाईनल मुकाबले में अयांश बिलासपुर ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर कोरबा पुलिस टीम को 11 रनों से पराजित कर डीबी वेंचर चैम्पियन ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण विधायक ब्यास कश्यप के मुख्य आतिथ्य एवं डीबी वेंचर ग्रुप के संचालक धीरेन्द्र बाजपेयी, पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू, इंजी. रवि पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, समाज सेवी राजेश पालीवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्षव्दय रमेश पैगवार व जय थवाईत, पूर्व क्रिकेटर आशीष राठौर, पार्षदगण प्रिंस शर्मा, विष्णु यादव, अरमान खान, देवराज सिंह चंदेल, आर. एस. क्षत्रीय एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। विजेता बिलासपुर टीम को डीबी वेंचर ग्रुप द्वारा प्रायोजित 1 लाख 1 हजार रूपए एवं चैम्पियन ट्राफी, उपविजेता कोरबा टीम को डीबी वेंचर ग्रुप द्वारा प्रायोजित 51 हजार रूपए एवं ट्राफी, तृतीय पुरस्कार देवांगन नर्सिंग होम टीम चांपा को बरातु यादव द्वारा प्रायोजित 21 हजार रूपए एवं ट्राफी प्रदान किया गया। कोरबा टीम के लेवीस पंकज प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। उन्हें 5 हजार रूपए एवं ट्राफी उज्जवल तिवारी के सौजन्य से प्रदान किया गया। उसी तरह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज लक्की सोनकर, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक भवानी कोरबा, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज लेवीस पंकज फाईनल मैच के मैन ऑफ द मैच बिलासपुर टीम के नारायण पात्रे (नाबाद 50 रन) को दिया गया। साथ ही कामेंट्री के लिए शाहिद बाबा, रानु दुबे, रोहित सितलानी, स्कोरिंग आर के यादव, दीपक अमुल्य योगदान के लिए पिंटु, लालू यादव पूजा टेंट हाउस, पिंकल माली, गोलू गढ़ेवाल, पंकज राठौर एवं अन्य सभी सहयोगियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विशेष योगदान के लिए वरिष्ट क्रिकेटर विवेक सिंह सिसोदिया का भी सम्मान किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में फाईटर क्लब के भूपेश सोनू राठौर, राहुल सिसोदिया, आशु पाण्डेय, भैरव मिश्रा, दादू डॉन, टिंकु शुक्ला, बाबा महाराज, अमन बाघमारे, प्रकाश शर्मा, बाबा थवाईत, दीपक यादव, राजेश छोटु राठौर, सौरभ वर्मा, राजा सिद्दकी, विकेश गुरनानी, सागर भक्तानी, आकाश कलोशिया, सजल, राजेश साहू, दुर्गेश सोनवानी, रानू यादव, कालू अग्रवाल, फिरदौस गुड्डा सहित अन्य लोगों का सक्रिय योगदान रहा। आयोजन समिति ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगरपालिका सहित अन्य सभी लोगों का आभार व्यक्त किया है जिन्होने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया है।

खास खबर

पुराने व गुणवत्ता-हीन धान की बिक्री पर प्रशासन सख्त

0 उपार्जन केंद्र कुल्हरिया में 85 बोरी धान किया गया जब्त'

कोरबा । कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले की सभी सहकारी समितियों में किसानों से गुणवत्तापूर्ण धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है। वहीं उपार्जन केंद्रों पर अवैध, पुराने एवं गुणवत्ता-हीन धान के विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र कुल्हरिया का तहसीलदार पसान श्री वीरेंद्र श्याम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम जजगी निवासी श्री राजकुमार, पिता जयराम सिंह द्वारा विक्रय हेतु लाई गई 85 बोरी (लगभग 32 क्विंटल) धान की जांच की गई। जांच परीक्षण में उक्त धान पुराना व गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए किसान के 85 बोरी धान को जब्त कर सहकारी समिति के सुपुर्द किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपार्जन केंद्रों पर केवल नियमानुसार एवं गुणवत्तापूर्ण धान की ही खरीदी की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

एनसीसी कैडेट्स को ट्रैफिक रूल्स से कराया अवगत

कोरबा । एनसीसी सीजी बटालियन-1 का विशेष कैंप कोरबा के सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल सीएसईबी में जारी है। विभिन्न इकाईयों के कैडेट इस शिविर में नेशनल कैडेट कोर से संबंधित जानकारी और व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कोरबा ट्रैफिक पुलिस ने शेड्यूल के अंतर्गत इस शिविर में भागीदारी करते हुए कैडेट्स को ट्रैफिक रूल्स से अवगत कराया।

ट्रैफिक डीएसपी डीके सिंह और निरीक्षक तेजस यादव के मार्गदर्शन में मैदानी अमले के द्वारा शिविर में कैडेट्स से संवाद किया गया। इस बात पर खुशी जताई गई कि अनुशासन के साथ-साथ राष्ट्रीय सरोकारों और नागरिक कर्तव्यों के मामले में एनसीसी एक जिम्मेदार भूमिका निभा रहा है। इससे राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करने में सहायता हो रही है और विधिवत प्रशिक्षण के साथ तैयार होने वाले कैडेट विस्तृत क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ट्रैफिक असस्टिेंट सब इंस्पेक्टर मनोज राठौर के द्वारा कैडेट्स से संवाद करते हुए यातायात नियमों के महत्व और उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि सडकों पर पैदल चलें या गाड़ी से, इस दौरान हम सभी को नियम पालन के मामले में जागरूक होना चाहिए। नियमों का पालन सभी को न केवल सुरक्षित रखता है बल्कि दुर्घटनाओं से बचने और रोकथाम की दिशा में सहायक होता है। उन्होंने बीते वर्षों में सडक दुर्घटना की स्थिति और केजुअलटी का भी जिक्र किया और इसके पीछे के कारण बताए। एनसीसी के अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि कैडेट्स को जो कुछ मार्गदर्शन इस कैम्प में मिला है वह उनके लिए उपयोगी साबित होगा।

राष्ट्रीय पेसा दिवस पर ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा का हुआ आयोजन

नवीन योजनाओं से अवगत हुए ग्रामीण

कोरबा । राष्ट्रीय पेसा दिवस के अवसर पर 24 दिसंबर को जिले की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इस संबंध में कोरबा जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा आदेश जारी किए गए थे। कोरबा जिला पेसा अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में पेसा अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ज़िलें की ग्राम पंचायतो के पेसा ग्रामो में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पेसा अधिनियम अंतर्गत विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई।

विशेष ग्राम सभा में पेसा अधिनियम और पेसा नियमों के बारे में नागरिको को जागरूक करने हेतु विभिन्न विडियो, पाम्पलेट, पोस्टर, बैनर, दिवाल, लेखन, संदेश, अन्य सूचना एवं संचार प्रौधोगिकी सामाग्री के माध्यम से पेसा के प्रावधानो के बारे मे जानकारी का प्रचार-प्रसार किया गया। राजस्व, आबकारी, वन, पुलिस, खनन एवं अन्य विकासखंड स्तरीय विभाग के जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियो के लिए पेसा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामसभा के माध्यम से पेसा नियम के तहत् जागरूकता हेतु चलचित्र एवं अन्य माध्यम से ग्रामीणो को जानकारी दी गयी।

अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत राज व्यवस्था के विस्तार विषय पर चर्चा परिचर्चा हुई। इसके साथ ही अवगत कराया गया कि यह अधिनियम 1996 में भारत सरकार द्वारा बनाया गया था। छत्तीसगढ़ में इसे अगस्त 2022 में लागू किया गया है। इसके द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के परंपरा, संस्कृति, रीति-रिवाज, पुजा पद्धति, रुढ़ियाँ इत्यादि का संरक्षण करते हुए इन क्षेत्रों के खनिज एवं प्राकृतिक संसाधनो पर इनके सहमति के पश्चात् ही इनके दोहन का प्रावधान है इत्यादि के संबंध में चर्चा की गई। इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पंचायतो के उक्त ग्रामसभा के माध्यम से किया जाने का निर्णय भी पारित किया गया।

विशेष ग्रामसभाओं में नवीन एवं महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत जी-राम-जी (विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के प्रमुख बिंदुओं एवं समेकित कार्ययोजना से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

क्या है विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम, 2025 यह अधिनियम राष्ट्रीय विजन के अनुरूप समृद्ध एवं सशक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के उद्देश्य से लागू किया गया है। इसके तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी-रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी।

अब 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित

जी-राम-जी अधिनियम के तहत पहले निर्धारित 100 दिनों की जगह अब 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी और आजीविका सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी।

विकसित भारत की जरूरतों के अनुरूप कार्य

अधिनियम के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्य राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना का हिस्सा होंगे। इनमें जल सुरक्षा, मूलभूत ढांचा, आजीविका आधारित अवसंरचनाएं तथा जलवायु परिवर्तन एवं प्रतिकूल मौसमी घटनाओं से बचाव से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

तकनीक आधारित कार्ययोजना

जी-राम-जी के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित पंचायत की रूपरेखा के अनुसार योजनाएं तैयार की जाएंगी, जिन्हें पीएम गतिशक्ति एवं राष्ट्रीय स्थानिक योजना प्रणालियों से जोड़ा जाएगा। पंचायतों की भौगोलिक स्थिति, नगरीकरण की दिशा एवं स्थानीय विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाओं का निर्माण किया जाएगा।

खेती के समय खेती को प्राथमिकता

बुवाई एवं कटाई के व्यस्त समय में कृषि श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की अवधि अधिसूचित करने की छूट दी गई है, जिससे किसानों को समय पर पर्याप्त श्रम उपलब्ध हो सके।

कार्य न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता

यदि किसी ग्रामीण परिवार को मांग के बाद निर्धारित समय-सीमा में कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो राज्य सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया जाएगा, जिससे श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे।

पंचायती राज व्यवस्था होगी और सशक्त

जी-राम-जी अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत प्राथमिक कार्यान्वयन इकाई होगी। श्रमिकों का पंजीकरण, रोजगार कार्ड जारी करना तथा कम से कम 50 प्रतिशत कार्यों का निष्पादन ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाएगा। ग्रामसभाएं नियमित सामाजिक अंकेक्षण करेंगी, जबकि जनपद एवं जिला पंचायतें योजना के समेकन, पर्यवेक्षण एवं निगरानी की जिम्मेदारी निभाएंगी।

राष्ट्रीय पेसा दिवस पर ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा का हुआ आयोजन

नवीन योजनाओं से अवगत हुए ग्रामीण

कोरबा, राष्ट्रीय पेसा दिवस के अवसर पर 24 दिसंबर को जिले की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इस संबंध में कोरबा जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा आदेश जारी किए गए थे। कोरबा जिला पेसा अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में पेसा अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ज़िलें की ग्राम पंचायतो के पेसा ग्रामो में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पेसा अधिनियम अंतर्गत विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई।

विशेष ग्राम सभा में पेसा अधिनियम और पेसा नियमों के बारे में नागरिको को जागरूक करने हेतु विभिन्न विडियो, पाम्पलेट, पोस्टर, बैनर, दिवाल, लेखन, संदेश, अन्य सूचना एवं संचार प्रौधोगिकी सामाग्री के माध्यम से पेसा के प्रावधानो के बारे मे जानकारी का प्रचार-प्रसार किया गया। राजस्व, आबकारी, वन, पुलिस, खनन एवं अन्य विकासखंड स्तरीय विभाग के जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियो के लिए पेसा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामसभा के माध्यम से पेसा नियम के तहत् जागरूकता हेतु चलचित्र एवं अन्य माध्यम से ग्रामीणो को जानकारी दी गयी।

अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत राज व्यवस्था के विस्तार विषय पर चर्चा परिचर्चा हुई। इसके साथ ही अवगत कराया गया कि यह अधिनियम 1996 में भारत सरकार द्वारा बनाया गया था। छत्तीसगढ़ में इसे अगस्त 2022 में लागू किया गया है। इसके द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के परंपरा, संस्कृति, रीति-रिवाज, पुजा पद्धति, रुढ़ियाँ इत्यादि का संरक्षण करते हुए इन क्षेत्रों के खनिज एवं प्राकृतिक संसाधनो पर इनके सहमति के पश्चात् ही इनके दोहन का प्रावधान है इत्यादि के संबंध में चर्चा की गई। इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पंचायतो के उक्त ग्रामसभा के माध्यम से किया जाने का निर्णय भी पारित किया गया।

विशेष ग्रामसभाओं में नवीन एवं महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत जी-राम-जी (विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के प्रमुख बिंदुओं एवं समेकित कार्ययोजना से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

यह अधिनियम राष्ट्रीय विजन के अनुरूप समृद्ध एवं सशक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के उद्देश्य से लागू किया गया है। इसके तहत अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी-रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी।

जी-राम-जी अधिनियम के तहत पहले निर्धारित 100 दिनों की जगह अब 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होगी और आजीविका सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी।

अधिनियम के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्य राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना का हिस्सा होंगे। इनमें जल सुरक्षा, मूलभूत ढांचा, आजीविका आधारित अवसंरचनाएं तथा जलवायु परिवर्तन एवं प्रतिकूल मौसमी घटनाओं से बचाव से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

जी-राम-जी के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित पंचायत की रूपरेखा के अनुसार योजनाएं तैयार की जाएंगी, जिन्हें पीएम गतिशक्ति एवं राष्ट्रीय स्थानिक योजना प्रणालियों से जोड़ा जाएगा।

चमत्कार : ट्रेलर और बोरवेल वाहन के नीचे आए बाइक सवार, फिर भी बच गई तीनों की जान

कोरबा आरएनएस)।

जिले में गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन बाइक सवार चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। एक हादसा बालको थाना क्षेत्र में, जबकि दूसरा उरगा थाना क्षेत्र में हुआ। दोनों ही मामलों में वाहन बाइक सवारों के ऊपर से गुजरने की स्थिति में थे, लेकिन समय रहते ब्रेक लगने और हेलमेट पहनने के कारण बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल तीनों घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

दर्री मुख्य मार्ग पर ट्रेलर ने दो बाइक सवारों को लिया चपेट में पहली घटना बालको थाना अंतर्गत दर्री मुख्य मार्ग स्थित डेम चैक के पास गुरुवार सुबह घटी। यहां तेज रफ्तार ट्रेलर ने मोपेड पर मछली बेचने जा रहे एक व्यक्ति और एक अन्य बाइक सवार को टक्कर मार दी। मोपेड सवार ट्रेलर की चपेट में आकर सीधे वाहन के पहियों के नीचे जा गिरा, जबकि उसकी मोपेड भी ट्रेलर के नीचे फंस गई। गनीमत रही कि वह पहियों के बीच गिरा और किसी तरह जान बच गई।

वहीं, दूसरे बाइक सवार ने हेलमेट पहन रखा था। टक्कर के बाद वह दूर जा गिरा, जिससे गंभीर चोट से बच गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

कनकी के पास बोरवेल वाहन से टक्कर, समय रहते ब्रेक से बची जान दूसरी घटना उरगा थाना क्षेत्र के कनकी के पास हुई। यहां एक बोरवेल वाहन ने पतोरा निवासी एक युवक की बाइक को टक्कर मार दी। युवक कोरबा से काम निपटाकर घर लौट रहा था। टक्कर के बाद बाइक बोरवेल वाहन के पहियों के नीचे आ गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। युवक भी वाहन के नीचे आ गया था, लेकिन चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिया, जिससे उसकी जान बच गई। हेलमेट पहनने के कारण युवक के सिर पर गंभीर चोट नहीं आई।

जिले में किसानों से 809898.40 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में 24 दिसम्बर 2025 शाम 6:30 बजे तक की स्थिति में 809898.40 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा समितियों से धान का उठाव भी शीघ्रता से कराया जा रहा है। कोरबा जिले में अब तक 510820 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संवदेनशील धान खरीदी केन्द्रो से प्राथमिकता से धान का उठाव किया जा रहा है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो। साथ ही किसानो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

नगर निगम व पशु चिकित्सा विभाग टीम के द्वारा स्ट्रीट डॉग का किया जा रहा वैक्सीनेशन

0 महाराणा प्रताप नगर में आयोजित हुआ शिविर, किया गया स्ट्रीट एवं पालतू डॉग का वैक्सीनेशन

0 अब तक निगम क्षेत्र में 315 डॉग्स का वैक्सीनेशन का कार्य पूर्ण किया गया

कोरबा नगर पालिक निगम कोरबा एवं पशु चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा आवारा कुत्तो (स्ट्रीट डॉग्स) के वैक्सीनेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है, इसी कड़ी में निगम क्षेत्र के महाराणा प्रताप नगर में शिविर लगाया गया तथा 22 स्ट्रीट डॉग व पालतू डॉग के वैक्सीनेशन का कार्य सम्पन्न कराया गया, साथ ही पालतू कुत्तों को वर्मी दवा भी दी गई। वहीं अब तक 315 कुत्तों के वैक्सीनेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है, इसके साथ ही पालतू कुत्तों के स्वामियों से अपील की गई है कि वे अपने डॉग्स का निःशुल्क वैक्सीनेशन पशु चिकित्सालय में डॉग्स को ले जाकर करवा सकते है। माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन पशुधन विकास विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में आवारा कुत्तों (स्ट्रीट डॉग्स) के वैक्सीनेशन व अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराए जाने की दिशा में नगर निगम कोरबा द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम व उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा आवारा कुत्तों के वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों में शिविर लगाकर यह कार्यवाही की जा रही है, वहीं कोरबा के महाराणा प्रताप नगर में शिविर लगाया गया तथा शिविर में स्ट्रीट डॉग व पालतू डॉग के वैक्सीनेशन कार्य सम्पन्न कराया गया, इसके साथ ही अब तक 315 स्ट्रीट डॉग्स का टीकाकरण किया जा चुका है। डॉ.तिवारी ने बताया कि निगम क्षेत्र में स्ट्रीट डॉग की फीडिंग हेतु 67 स्थान चिन्हाकित किए गए हैं तथा इन फीडिंग स्थलों पर बोर्ड लगाने का कार्य अंतिम चरण में है, वहीं एक वाहन के साथ कैचिंग टीम का गठन भी स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ने व नियंत्रण हेतु किया गया है।

अटल जी ने बनाया छत्तीसगढ़, मोदी जी इसे संवार रहे - उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षत में आयोजित हुआ सुशासन दिवस कार्यक्रम

राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के अभिभाषण को सुना अतिथियों व नागरिकों ने

कोरबा । प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने सुशासन दिवस के अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटलबिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को संवारने का काम कर रहे हैं। उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी के संबंध में जितना भी कहा जाए, वह कम है, उन्होने अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व के स्वामी थे, जिनका सम्मान विपक्षी नेता भी करते थे तथा देश का हर वर्ग उनकी कार्यशैली, उनके आचरण व उनके सिद्धांतों का कायल था। उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कोरबा में आयोजित सुशासन दिवस के अवसर पर कही। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व.अटलबिहारी बाजपेयी जी की 101 वीं जयंती पर आज जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विवेकानंद उद्यान के सामने स्थित अटल परिसर में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया, आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति प्रदान की, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, तो वहीं कार्यक्रम में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, प्रभारी कलेक्टर व निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अटल परिसर में स्थापित अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम की शुरूआत कराई, वहीं राजधानी रायपुर में आयोजित सुशासन दिवस समारोह के लाईव प्रसारण में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा दिए गए अभिभाषण का श्रवण भी अतिथियों व नागरिकों के द्वारा किया गया, उपस्थितजन राजधानी रायपुर के उक्त सम्पूर्ण आयोजन में आनलाईन रूप से शामिल भी हुए। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि आज अत्यंत शुभ दिन है, अटल जी की जन्मजयंती के दिन आज प्रदेश के 115 शहरों में अटल परिसर का लोकार्पण हुआ है, उन्होने कोरबा में निर्मित अटल परिसर की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ अटल परिसर है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि डॉ.रमन सिंह ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में प्रदेश के गांव-गांव में अटल चैक का निर्माण कराया था, और अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव प्रदेश के सभी शहरों में अटल परिसर का निर्माण कराया है।

शुक्र है कि अब पहले जैसी नहीं रही परिस्थितयां : किसान पूरण सिंह

बदलते हालातों ने बदली किसान पूरण सिंह की किस्मत

कोरबा पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम सिरकी में रहने वाले 90 वर्षीय किसान पूरण सिंह आज भी खेती-किसानी में सक्रिय हैं। बचपन से ही खेतों में मेहनत करते हुए उन्होंने अपनी पूरी उम्र इसी परंपरागत कृषि जीवन को समर्पित कर दी। 5 एकड़ जमीन पर खेती करने वाले पूरण सिंह जानते हैं कि सिंचाई साधन न होने के बावजूद धान का उत्पादन करना कितना कठिन काम होता है। वर्षों तक उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में मेहनत कर फसल खड़ी की, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती थी फसल को बेच पाना। वो समय याद करते हुए पूरण सिंह बताते हैं कि पहले उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी। धान बेचने बैलगाड़ियों से केंद्र तक जाना पड़ता था और कई-कई दिनों तक वहीं डेरा डालकर इंतज़ार करना पड़ता था। फसल बेच भी लेते थे तो उचित कीमत नहीं मिल पाती थी, जिससे उनकी मेहनत का पूरा मूल्य उन्हें नहीं मिल पाता था।

लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पूरण सिंह खुशी के साथ बताते है कि अब टोकन घर बैठे मिल जाता है। उपार्जन केंद्र में पेयजल, बैठने की व्यवस्था, ठहरने की जगहसब कुछ है। किसानों को सम्मान मिला है। वे कहते हैं कि अब धान का समर्थन मूल्य मिलने के साथ ही अंतर राशि भी सरकार द्वारा दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों के कर्ज माफ किए और बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है।

आज 90 वर्ष की उम्र में भी किसान पूरण सिंह अपने अनुभव, मेहनत और बदली हुई व्यवस्था के सहारे खेती को नई ऊर्जा के साथ जारी रखे हुए हैं। उनके अनुसार-सरकार की नई व्यवस्थाओं ने किसान की जिंदगी आसान कर दी है। अब खेती करना और फसल बेचना दोनों ही पहले से कहीं बेहतर हो गया है।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का जशपुर आगडीह हवाई पट्टी में हुआ आत्मीय स्वागत

रायपुर - वित्त मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी का आज जशपुर आगडीह हवाई अड्डे में आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत ,नगर पालिका के अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जुदेव ,कृष्णा राय , शान्ती भगत,कलेक्टर श्री रोहित व्यास, एस एस पी श्री शशि मोहन सिंह, वनमंडला अधिकारी श्री शशि कुमार एसडीएम जशपुर श्री विश्वास राव मस्के और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शीर्ष नक्सली नेता गणेश उइके का न्यूट्रलाइजेशन नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार - मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओडिशा के कंधमाल-गंजाम सीमावर्ती वन क्षेत्रों में संचालित संयुक्त सुरक्षा अभियान में सीपीआई (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेतृत्व में शामिल गणेश उइके के न्यूट्रलाइज किए जाने को नक्सलवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई नक्सल तंत्र की रीढ़ पर सीधा प्रहार है तथा स्पष्ट संदेश है कि अब नक्सल हिंसा के लिए देश में कहीं भी सुरक्षित ठिकाना शेष नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक ठोस और निर्णायक कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दृढ़ नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के सशक्त मार्गदर्शन में देश नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन की ओर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। एक-भारत श्रेष्ठ-भारत की भावना के साथ केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। मुख्यमंत्री साय ने इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा बलों के जवानों और अधिकारियों के अदम्य साहस, पराक्रम और पेशेवर दक्षता को नमन किया तथा उनके उत्कृष्ट मनोबल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है–हिंसा का रास्ता छोड़िए, मुख्यधारा से जुड़िए; अन्यथा कानून अपना कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि शांति, विकास और विश्वास ही नए भारत की पहचान है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के नए अवसर निरंतर सृजित किए जा रहे हैं।

बुधवारी फुट ओव्हरब्रिज में प्रकाश व्यवस्था का लोकार्पण किया उद्योग मंत्री व महापौर ने

रायपुर। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने बुधवारी फुट ओव्हरब्रिज में निगम द्वारा की गई प्रकाश व्यवस्था कार्य का लोकार्पण किया, तो वहीं निहारिका सुभाष चैक एवं सर्वमंगला मंदिर के समीप स्थित वृद्धाश्रम में ऊर्जादक्ष इलेक्ट्रिक हीटर का शुभारंभ भी किया। इस मौके पर मेयर इन काउंसिल सदस्य अजय गोंड़, पार्षद पंकज देवांगन, राकेश वर्मा, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, वैभव शर्मा, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, सहायक अभियंता विपिन मिश्रा आदि के साथ अन्य नागरिकगण उपस्थित थे। यहॉ उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बुधवारी बाजार से सड़क के दूसरी ओर स्थित पार्किंग तक पहुंचने के लिए मुख्य मार्ग पर पूर्व में फुटओव्हर ब्रिज का निर्माण कराया गया था, किन्तु फुट ओव्हरब्रिज के ऊपर प्रकाश व्यवस्था का अभाव था, ब्रिज में रात्रि के समय अंधेरा रहने से ब्रिज का उपयोग न होने एवं ब्रिज के ऊपर असामाजिक तत्वों द्वारा गलत गतिविधियां करने की संभावना बनी रहती थी। निगम द्वारा उक्त ओव्हरब्रिज में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का कार्य करते हुए कलर लाईटें स्थापित की गई हैं, गुरूवार की रात्रि को उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उक्त प्रकाश व्यवस्था का लोकार्पण किया, उन्होने जैसे ही स्वीच आन किया, वैसे ही सम्पूर्ण फुट ओव्हरब्रिज विभिन्न रंगों के प्रकाश से जगमगा उठा।

सुभाष चैक एंव वृद्धाश्रम में इलेक्ट्रिक ताप हीटर का शुभारंभ

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निहारिका स्थित सुभाष चैक एवं सर्वमंगला मंदिर के समीप स्थित वृद्धाश्रम में ऊर्जादक्ष इलेक्ट्रिक हीटर का शुभारंभ किया। यहॉ उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए इस ठिठुरन भरी ठंड से लोगों को राहत दिलाने हेतु बिजली से चलने वाले एवं ऊर्जा दक्ष इलेक्ट्रिक ताप हीटर शहर के प्रमुख चैक-चैराहों, सार्वजनिक स्थानों, वृद्धाश्रम, आश्रय स्थलों, रैनबसेरा आदि में स्थापित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरूवार की रात्रि सुभाष चैक में ऊर्जा दक्ष इलेक्ट्रिक हीटर का शुभारंभ उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन में नगर निगम कोरबा द्वारा अत्यंत सराहनीय कदम उठाते हुए शहर के चैक-चैराहों, सार्वजनिक स्थलों, वृद्धाश्रम, आश्रय स्थलों व रैनबसेरा में इलेक्ट्रिक हीटर स्थापित किए गए हैं, इससे आवागमन करने वाले नागरिकों, जरूरतमंदों, आश्रय स्थल रैनबसेरा में ठहरने वाले लोगों एवं वृद्धाश्रम में निवास करने वाले हमारे बुजुर्गो को इस ठिठुरन भरी ठंड से राहत मिलेगी।

जनजातीय गौरव की स्वर्णिम विरासतः मुख्यमंत्री साय ने किया गैंदसिंह नायक की प्रतिमा का अनावरण

डबल इंजन सरकार से नक्सल क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज़ः मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज का इतिहास केवल समृद्ध नहीं, बल्कि अद्भुत रूप से प्रेरणादायी रहा है। यह इतिहास साहस, बलिदान, आत्मसम्मान और प्रकृति-संग जीवन दर्शन की अमूल्य धरोहर समेटे हुए है।इसी विरासत से हमें अपनी जड़ों पर गर्व करने, अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने और विकास की नई राह बनाने की सीख मिलती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव जिले के गोड़लवाही में अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी महासभा के द्वारा बिरसा मुण्डा 150वीं जन्म शताब्दी के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर शहीद शिरोमणि गैंदसिंह नायक मूर्ति का अनावरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और सांसद श्री संतोष पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में 1.21 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन एवं 1 करोड़ 52 लाख 97 हजार रूपए की लागत से निर्मित 50 सीटर प्री मैट्रिक छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। गोड़लवाही से ग्राम उमरवाही तथा उमरवाही से करमरी तक सड़क चौड़ीकरण, गोड़लवाही में नवीन महाविद्यालय स्थापना और स्कूल परिसर में बाऊण्ड्रीवाल तथा अटल समरसता भवन निर्माण की घोषणा की। इस अवसर पर स्वामित्व योजना के तहत हितग्राहियों को अधिकार पत्र, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को गैस कनेक्शन का वितरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलियों की मांद में प्रहार किया गया है। नक्सलवाद अब अंतिम सांसे गिन रहा है। विगत दो वर्षों में डबल इंजन सरकार के होने से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों में गति आयी है। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के लक्ष्य के अनुरूप हम तेजी से आगे बढ़ रहे है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए कार्य किए जा रहे है। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से 400 से अधिक ग्राम शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, अधोसंरचना एवं विकास कार्यों से जुड़ रहे है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजातीय समाज के महानायकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को समर्पित भव्य डिजिटल संग्रहालय का लोकार्पण राज्य स्थापना दिवस पर किया गया है। इस डिजिटल संग्रहालय में जनजातीय समाज द्वारा अंग्रेजों के विरूद्ध किए गए 14 बड़े विद्रोह का सचित्र चित्रण किया गया है। उन्होंने सभी से रायपुर पहुंचकर संग्रहालय का अवलोकन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर आसीन श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय समाज से है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के विकास एवं क्षेत्र के विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और आज छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव-गांव तक पक्की सड़कों का निर्माण करवाया और जनजातीय समाज के विकास के लिए आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे है। महतारी वंदन योजना में 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की सहायता राशि दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण राशि 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए बोरा की गई है। तेंदूपत्ता संग्रहण से 13 लाख परिवारों को लाभ मिल रहा है। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत 38 हजार बुजुर्ग हितग्राही लाभान्वित हुए है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि परलकोट से अंग्रेजों के खिलाफ शोषण के विरूद्ध आजादी की मशाल जलाई एवं युद्ध का बिगुल फूंका। शहीद गैंदसिंह की सोच के अनुरूप शोषण मुक्त, स्वाभिमानी एवं आत्मनिर्भर जनजातीय समाज की स्थापना हो रही है। सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि आदिवासी समाज स्वतंत्रता के आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में लडने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि भगवान धरती आबा बिरसा मुण्डा और शहीद वीर नारायण सिंह ने अपनी पूरी संपत्ति समाज के लिए अर्पित कर दिया। इसी तरह वीर गुंडाधुर, वीर सुरेंद्र साय, रामाधीन गौड़, तिलक मांझी सहित ऐसे अनेक नाम हैं जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

लालबाग में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

जयंती पर अटल जी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जगदलपुर, शहर के लालबाग में गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर मनाए जा रहे सुशासन दिवस के मौके पर उनकी प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े रहे। इस अवसर पर बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी, महापौर संजय पांडेय, सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, पूर्व विधायक संतोष बाफना, लच्छूराम कश्यप, सुभाऊ कश्यप व अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसी तरह नगर पंचायत बस्तर में भी अटल जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता, प्रखर वक्ता और संवेदनशील राजनेता थे। उनका जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन और राष्ट्रीय एकता के लिए समर्पित रहा। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं युवा उपस्थित रहे। सभी ने अटल जी के विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

रायपुर, । सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' का समापन समारोह आज पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में उत्साहपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय खेल एवं युवा कार्य मंत्री मनसुख मांडविया तथा देशभर के सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और समापन समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। ऑडिटोरियम में उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री के प्रेरक उद्बोधन को ध्यानपूर्वक सुना।मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन की शुरुआत सुशासन दिवस की शुभकामनाओं के साथ करते हुए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' जैसे आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए सशक्त मंच प्रदान करते हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह महोत्सवलगभग चार महीनों तक रायपुर संसदीय क्षेत्र के 36 विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने इस व्यापक और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल को विशेष बधाई दी।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेलों में केवल पहला, दूसरा या तीसरा स्थान ही सबकुछ नहीं होता, बल्कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट, समर्पण और सतत अभ्यास के गुण ही किसी को महान खिलाड़ी बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महोत्सव से अनेक खिलाड़ी उभरकर सामने आएंगे, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों के सपनों को पंख देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल अलंकरण समारोह पुनः प्रारंभ किया गया है। ओलंपिक में प्रदेश के खिलाड़ी के चयन पर 21 लाख रुपये तथा स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है और जनवरी माह में यहां पुनः बड़े मैचों का आयोजन किया जाएगा। खेलो इंडिया के कार्यालय विभिन्न स्थानों पर स्थापित कर नई खेल प्रतिभाओं को तराशने का कार्य किया जा रहा है।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सवङ्क 'फिट युवा, विकसित भारत' का शुभारंभ 29 अगस्त को हुआ था और यह आयोजन रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 36 स्थानों पर सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

खेतों में अब सिर्फ धान नहीं, खुशबू भी उग रही है

रायपुर । छत्तीसगढ़ के खेतों में अब धान की फसल के साथ-साथ खुशबू और रंग भी लहलहाने लगे हैं। परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए प्रदेश के किसान तेजी से पुष्प खेती की ओर रुख कर रहे हैं। बीते ढाई वर्षो में राज्य में फूलों की खेती का रकबा 3405 हेक्टेयर बढ़ा है और उत्पादन 35 हजार 866 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। यह बदलाव न सिर्फ खेती के स्वरूप को बदल रहा है, बल्कि किसानों की आमदनी में भी नई खुशहाली घोल रहा है। राज्य सरकार की फसल विविधिकरण नीति के तहत वर्तमान में पुष्प फसलों का कुल रकबा 12 हजार हेक्टेयर हो चुका है। किसान अब ग्लेडियोलस, रजनीगंधा और गेंदा जैसे फूलों की खेती कर रहे हैं, जिन्हें बाजार आसानी से मिल जाता है। मांग स्थिर होने के कारण फूल किसानों के लिए नगदी फसल बनते जा रहे हैं। केंद्र परिवर्तित राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत पुष्प क्षेत्र विस्तार के लिए प्रति हेक्टेयर 50 हजार से 2.50 लाख रुपए की इकाई लागत पर 40 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है, यानि किसानों को 20 हजार से एक लाख रुपए तक की सहायता सीधे मिल रही है। उद्यानिकी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्लेडियोलस और रजनीगंधा फूल की अधिकतम दो हेक्टेयर में खेती पर अनुदान की पत्रता का प्रावधान है, जो कि 2.5 लाख की इकाई लागत पर एक लाख रुपए है। राज्य में इस वर्ष 125 हेक्टेयर में ग्लेडियोलस तथा 50 हेक्टेयर में रजनीगंधा पुष्प की खेती का लक्ष्य रखा गया है। गेंदा फूल की खेती के लिए इस वर्ष 1200 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। इसकी खेती करने पर 50 हजार की लागत पर 20 हजार रुपए अनुदान का प्रावधान है। इस तरह राज्य में कुल 1375 हेक्टेयर क्षेत्र में पुष्प खेती के लिए सहायता देने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में संरक्षित खेती के तहत पॉलीहाउस और शेडनेट में एंथुरियम, ऑर्किड, कार्नेशन, जरबेरा, गुलाब, क्राइसेंथिमम और लीलियम जैसे उच्च मूल्य वाले फूलों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। एंथुरियम और ऑर्किड के लिए 4000 वर्गमीटर तक 1000 रुपए प्रति वर्गमीटर की लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। इसी तरह गुलाब, क्राइसेंथिमम और लीलियम पर 45 रुपए प्रति वर्गमीटर की लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पुष्प खेती किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं को कृषि से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है।

वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ देश का नाम रोशन कर रही हैं - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता मुस्कान हॉकी कप 2025ङ्क26 में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा हुए शामिल

रायपुर। नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित चार दिवसीय मुस्कान हॉकी कप राज्यस्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्यभर से आए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी खेल भावना, अनुशासन तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बोड़ला की अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ममतेश्वरी लहरे, राजनांदगांव की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अनिशा साहू, कोच श्री चौहान सहित अन्य प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपने समर्पण और मेहनत से जिले, प्रदेश और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास से बोड़ला को हॉकी के एक सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्र बोड़ला की बेटियाँ हॉकी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, जो कबीरधाम जिले और छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। ऐसी राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, तकनीकी कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को निखारने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत बोड़ला में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया गया है और खिलाड़ियों एवं नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए कि किन अतिरिक्त सुविधाओं का विकास किया जाए, ताकि प्रशिक्षण और अभ्यास का बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही, जिले के विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधाएं विकसित की जा चुकी हैं और शीघ्र ही बोड़ला के विद्यालयों में भी स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। उल्लेखनीय है कि वनांचल क्षेत्र बोड़ला हॉकी सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं के लिए जाना जाता है। यहां के सैकड़ों खिलाड़ी नियमित अभ्यास कर रहे हैं और कई का चयन भारतीय टीम तक हो चुका है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 187 करोड़ के 23 कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नेभी आज राजधानी रायपुर के फुंडहर खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 186 करोड़ 98 रुपए लागत के 23 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 185 करोड़ 49 लाख रुपए के 17 कार्यों का भूमिपूजन और एक करोड़ 49 लाख रुपए के छह कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ रुपए की लागत से तेलीबांधा चौक पर निर्मित सिंदूर पथ, 49 लाख रुपए से अटल एक्सप्रेस-वे में फुंडहर चौक पर विकसित अटल परिसर और कोर्ट परिसर के पास बनाए गए वनभैंसा के साथ ही आईएसबीटी, मोवा ब्रिज और विधानसभा ब्रिज के नीचे बनाए गए बॉक्स क्रिकेट पिच का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने पंडरी बस स्टैंड के पीछे 14 करोड़ 71 लाख रुपए तथा नरैया तालाब के पास 14 करोड़ 66 लाख रुपए के कामकाजी महिला छात्रावास का भूमिपूजन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत तेलीबांधा चौक के पास 39 करोड़ 31 लाख रुपए के टेक्नीकल टॉवर और खम्हारडीह में 20 करोड़ 93 लाख रुपए के 2500 किलोलीटर क्षमता के नवीन जलागार का भी भूमिपूजन किया। साय ने दलदल सिवनी अम्युजमेंट पार्क के पास 11 करोड़ 42 लाख रुपए के नालंदा परिसर, पचपेड़ी नाका से सीएसईबी चौक तक 13 करोड़ 39 लाख रुपए के गौरवपथ तथा 11 करोड़ 17 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो एवं दो करोड़ 79 लाख रुपए के पीएम ई-बस डिपो के लिए इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन का भूमिपूजन किया। उन्होंने लाभांडी और फुंडहर में 35 करोड़ 73 लाख रुपए के राइजिंग एवं डिस्ट्रीब्युशन पाइपलाइन, विधायक कॉलोनी से अविनाश वन होते हुए एनएच-53 तक एक करोड़ 94 लाख रुपए के नाला पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना में तीन करोड़ 23 लाख रुपए के सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा श्रीराम मंदिर के पास एक करोड़ 98 लाख रुपए के आरसीसी कवर्ड नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने रायपुर-ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-उत्तर विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए के मुख्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, बीटी रिनिवल, ड्रेन एवं अन्य कार्यों, रायपुर-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में दो करोड़ 99 लाख रुपए के दतरेंगा मोड़ से चन्द्रा टाउन, महादेव घाट रोड तक सड़क सुदृढ़ीकरण।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**

www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)